राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,25फ़रवरी 2021 वर्ष-4, अंक -33 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

होली से पहले स्पेशल ट्रेनें चलाएगा रेलवे

नई दिल्ली। देश में त्यौहार का सीजन आते ही ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ बढ़ जाती है। इस साल भारतीय रेलवे ने रेल यात्रियों को राहत देते हुए होली के मौके पर कुछ स्पेशल ट्रेनें चलाने का ऐलान किया है। कोरोना महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौरान कई ट्रेनों का संचालन बंद कर दिया गया था। देश में कोरोना के मामले कम होने और कोरोना वैक्सीन के आ जाने से कई ट्रेनों के संचालन की प्रक्रिया फिर से शुरू कर दी गई है।

एक मार्च से चलेंगी ट्रेनें

भारतीय रेलवे ने घोषणा की है कि वह होली के मौके पर एक मार्च से कई ट्रेनों का संचालन शुरू करेगा। इन स्पेशल ट्रेनों के चलने से सबसे अधिक राहत उत्तर प्रदेश और बिहार के यात्रियों को मिलेगी। कोरोना काल के बाद स्पेशल ट्रेनों के संचालन की खबर वाकई सुकून देने लायक है।

कहां से कहां तक चलेंगी ट्रेनें-भारतीय रेलवे ने जानकारी देते हुए बताया है कि एक मार्च से 05054/05053 लखनऊ-छपरा-लखनऊ स्पेशल ट्रेन और 05083/05084 छपरा-फर्रूखाबाद-छपरा स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जाएगा। इस ट्रेन में सभी कोच आरक्षित श्रेणी के होंगे। छपरा से लखनऊ के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन हफ्ते में चार दिन चलेगी। छपरा से फर्रुखाबाद के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन का संचालन हफ्ते में तीन दिन और फर्रुखाबाद से छपरा के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन का संचालन हफ्ते में दो दिन किया जाएगा। इसके अलावा डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस (02503/02504) जो कि अभी सप्ताह में एक दिन चलती है, उसे होली के मौके पर पांच दिन चलाया जाएगा। इस ट्रेन का संचालन 16 फरवरी से रविवार, मंगलवार, बुधवार, गुरुवार और शनिवार को शुरू किया जा चुका है। इस ट्रेन के चलने से उत्तर प्रदेश, बिहार और असम के यात्री लाभान्वित होंगे। वहीं पश्चिम रेलवे ने विभिन्न रूट्स पर 11 जोड़ी यानी 22 नई स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। ये ट्रेनें दिल्ली, मध्य प्रदेश, मुंबई समेत कई रूट्स के बीच चलाई जाएंगी।

कोरोना महामारी के बाद पीएम मोदी का पहला विदेश दौरा, मार्च के आखिर में जाएंगे बांग्लादेश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्च के आखिरी हफ्ते में पड़ोसी देश बांग्लादेश की यात्रा पर जाने की संभावना है। इसके मद्देनजर भारत और बांग्लादेश के बीच राजनयिक बातचीत जोर पकड़ रही है। कोविड-19 महामारी के बाद प्रधानमंत्री मोदी की यह पहली विदेश यात्रा होगी। हालांकि महामारी के दौरान प्रधानमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से विभिन्न द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकों में हिस्सा लिया है। बता दें कि इस यात्रा की आधिकारिक घोषणा अभी की जानी है, लेकिन सूत्रों के कहना है कि यह 26 और 27 मार्च को हो सकती है। प्रधानमंत्री की यात्रा से पहले गृह सचिव अजय भल्ला ढाका जाएंगे और अपने समकक्ष मुस्तफा कमालउद्दीन से बातचीत करेंगे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी अपने समकक्ष एके अब्दुल मेमन से बातचीत के लिए चार मार्च को बांग्लादेश में होंगे। याद दिला दें कि कोविड वैक्सीन की आपूर्ति में भारत ने बांग्लादेश को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। पीएम मोदी और उनकी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना के बीच अच्छा तालमेल भी है। बांग्लादेश सेना की टुकड़ी ने इस वर्ष गणतंत्र दिवस समारोह में भाग भी लिया था। वहीं, भारतीय वायु सेना के एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया बांग्लादेश की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। इस दौरान मंगलवार को उन्होंने 1971 के लिबरेशन वॉर में अपनी जान गवाने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।आरकेएस भदौरिया और एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने शैटोग्राम और सेंट मार्टिन द्वीप समूह में बीएएफ बेस का दौरा भी किया। उन्होंने बीएएफ बेस जहूरुल हक में बीएएफ अधिकारियों के साथ बातचीत की। दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए एयर चीफ मार्शल मासिज्जमां सेरानीबात के निमंत्रण पर बांग्लादेश में हैं।

पीएम के दो साल पूरे होने पर बोले पीएम मोदी

किसानों की आय दोगुना करने की हरसंभव कोशिश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के दो साल पूरे गए हैं। पीएम किसान निधि योजना के दो साल पूरे होने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कई ट्वीट किए और साथ ही कहा कि हमारी सरकार किसानों की आय दोगुना करने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है। पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार (24 फरवरी) को कहा कि पीएम किसान निधि से करोड़ों किसान भाई-बहनों के जीवन में आए बदलाव से हमें उनके लिए और अधिक काम करने की प्रेरणा मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा कि पीएम किसान निधि की लॉन्चिंग को आज दो साल पूरे हो रहे हैं। अन्नदाताओं के कल्याण को समर्पित इस योजना से करोड़ों किसान भाई-बहनों के जीवन में जो बदलाव आए हैं, उससे हमें उनके लिए और अधिक काम करने की प्रेरणा मिली है। उन्होंने आगे लिखा कि अन्नदाताओं के जीवन को आसान बनाने और उनकी आय दोगुनी करने का जो संकल्प देश ने लिया है, उसमें पीएम किसान निधि की महत्वपूर्ण भूमिका है। आज हमारे किसान आत्मनिर्भर भारत अभियान के भी अभिन्न अंग बन रहे हैं। पीएम मोदी ने एक अन्य ट्वीट में लिखा- इस दिन, 2 साल पहले पीएम-किसान योजना की शुरुआत की गई। इसे हमारे मेहनती किसानों के लिए गरिमा के साथ-साथ समृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य के साथ शुरू किया गया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने जयललिता की जयंती पर उन्हें किया याद

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता की जयंती पर उन्हें याद किया और कहा कि जनहित की नीतियों तथा पिछड़ों को सशक्त करने के प्रयासों के लिए उनकी व्यापक सराहना की जाती है। मोदी ने ट्वीट कर कहा, ''जयललिता जी की जयंती पर उनका स्मरण। जनकल्याणकारी नीतियों और पिछड़ों को सशक्त करने के प्रयासों के लिए उनकी व्यापक सराहना की जाती है। हमारी नारी शक्ति को सशक्त करने के लिए भी उन्होंने स्मरणीय प्रयास किए। उनके साथ हुए कई संवादों को मैं हमेशा संजो के रखूंगा।'' तमिलनाडु की राजनीति में ''अम्मा'' के नाम से मशहूर रहीं जयललिता का जन्म वर्तमान कर्नाटक के मांड्या जिले के मेलुरकोट गांव में 1948 को हुआ था। वह पांच बार तमिलनाडु की मुख्यमंत्री रही। तमिलनाडु की अन्नाद्रमुक सरकार ने हाल ही में जयललिता की जयंती को ' बालिका संरक्षण दिवस' के तौर पर मनाने का फैसला किया। जयललिता के नेतृत्व में पिछले विधानसभा चुनाव में लगातार दूसरी बार जीत दर्ज कर अन्नाद्रमुक ने इतिहास रच दिया था। पांच दिसंबर 2016 को उनका निधन हो गया था। इस साल अप्रैल-मई में राज्य विधानसभा के चुनाव होने हैं। भाजपा ने अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ने की घोषणा की है।

भाजपा सांसद की उद्धव ठाकरे को सलाह-

महाराष्ट्र में कोरोना पर नहीं हो रहा कंट्रोल तो अमित शाह से लें मदद

मुंबई। महाराष्ट्र में कोरोना के बढ़ते मामलों पर चिंता व्यक्त करते भारतीय जनता पार्टी के सांसद गोपाल शेट्टी ने राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को इस मामले में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मदद लेने की सलाह दी है। शेट्टी ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि महाराष्ट्र को कोविड-19 के प्रसार का सामना करना पड़ रहा है। यह दिल्ली की तरह एक शहर है, जिसमें महामारी पर नियंत्रण करने में गृह मंत्री अमित शाह का बड़ा योगदान है। बीजेपी सांसद शेट्टी ने आगे कहा, ÷उद्धव ठाकरे को केंद्र सरकार से तुरंत मदद लेनी चाहिए। लोगों के जीवन की रक्षा करने के लिए सभी राजनीतिक मतभेद को एक तरफ रख कर अमित शाह के समर्थन लेनी चाहिए। जनता के हित में जो कुछ भी करना चाहिए वह कर सकते हैं। यह राजनीतिक मुद्दा नहीं है। आपको बता दें कि महाराष्ट्र में कोरोना की दूसरी लहर ने फिर से चिंता बढ़ा दी है। स्थिति ऐसी बन चुकी है कि अमरावती शहर में एक सप्ताह के लिए लॉकडाउन लगाया गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने भी लोगों को चेतावनी दी कि अगर वे महामारी प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते तो राज्य में फिर एक बार लॉकडाउन लगाना पड़ सकता है। गोपाल शेट्टी ने राज्य सरकार को ऐसी गंभीर स्थिति में राजनीति के बजाय कुछ ठोस कदम उठाने की सलाह दी है। इसके अलावा उन्होंने कोरोना टीकाकरण कार्यक्रम को तेज करने पर भी जोर दिया है। भाजपा नेता ने कहा कि वैक्सीन के दायरे में भी वृद्धि की जानी चाहिए, विशेष रूप से उन राज्यों में जहां संख्या बढ़ रही हैं।

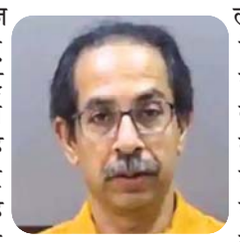

कोरोना का टीका संक्रमण से बचाने में कितना असरदार? जवाब ढूंढने में लगे वैज्ञानिक

नई दिल्ली। दुनिया में हालांकि 25 करोड़ से भी अधिक लोगों को कोरोना टीके (एक या दो खुराक) लग चुके हैं, लेकिन यह कोरोना संक्रमण से बचाने में कितना असरदार साबित हो रहा है, यह जानने के लिए वैज्ञानिक समुदाय भी आतुर है। वैज्ञानिकों द्वारा टीके के प्रभाव के आकलन के लिए कई अध्ययन शुरू किए गए हैं, जिनके आरंभिक नतीजे यह तो दर्शाते हैं कि संक्रमण में कमी का रुझान है। लेकिन, क्या यह कमी टीका लगाने की वजह से आई है और क्या टीके से बीमारी की संक्रामकता भी घट रही है? इन सवालों के जवाब अभी भी तलाशे जा रहे हैं।

प्रतिरोधकता की निरंतर जांच

नेचर में प्रकाशित एक रिपोर्ट में हार्वर्ड के टीएच चैन स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के एक्सपर्ट मार्क लिपस्ट्रिज ने कहा कि जिन लोगों को टीका दिया जा रहा है, उनमें प्रतिरोधकता की निरंतर जांच हो रही है। वैज्ञानिक अध्ययन जारी है। उम्मीद है कि अगले कुछ हफ्तों में कुछ नतीजे आएंगे, जो टीके के प्रभाव को व्यक्त करेंगे। वैज्ञानिकों के

सामने तीन सवाल हैं। क्या टीका लगाने से बीमारी नहीं होगी। दूसरा, क्या बीमारी का प्रभाव हल्का होगा, जिससे फैलाव रुकेगा और तीसरा यह कितने समय तक बचाव करेगा।

सकारात्मक जानकारी

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका, यूरोप समेत कई देशों से कई छोटे-छोटे समूहों में टीके के प्रभाव को लेकर जो आरंभिक जानकारियां मिली हैं, उनमें कई सकारात्मक हैं। इजरायल में टीका लेने वाले संक्रमित हुए हैं, लेकिन उनमें वायरल लोड कम था, जिससे बीमारी दूसरे को फैलने की आशंका कम हो जाती है। ऑक्सफोर्ड-ऐस्ट्रेजेनेका के टीके की बाबत भी यह तथ्य सामने आया है कि यह वायरल लोड को कम करता है। यानी संक्रमित के शरीर में वायरस की संख्या ज्यादा नहीं बढ़ पाती है।

फिलहाल कोरोना का फैलाव कम

येल स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के शोधकर्ता विर्जीनिया पिट्जर ने कहा कि ऐसे लगता है कि फाइजर का टीका सभी को संक्रमण से नहीं बचा पा रहा है, लेकिन यह देखा गया है कि जिन समूहों में टीका लगाया गया है, उनमें कोरोना का फैलाव कम हुआ है।

पर्यटकों के साथ मारपीट और लूटपाट मामले में बीजेडी के पूर्व विधायक गिरफ्तार

नई दिल्ली। बीजू जनता दल के पूर्व विधायक देवेन्द्र कन्हर और उनके एक साथी को ओडिशा के कंधमाल जिले में गिरफ्तार किया गया है। कनहर 2009 और 2014 के बीच फूलबनी से विधायक थे। फूलबनी के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी महेंद्रनाथ मुर्मू ने जानकारी दी कि कनहर और उनके सहयोगी(एक भारतीय रिजर्व बटालियन के जवान, श्रीनिवासन कनहर) को कंधमाल जिले में कटरामल झरना घूमने गए पर्यटकों के एक समूह को तंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। कामन बेहरा और उनके दोस्त ढेंकनाल जिले के परजंग से 11 फरवरी को पिकनिक के लिए कंधमाल आए थे। कथित रूप से यहां उन्हें कनहर और उनके साथियों ने बेरहमी से पीटा था। आरोप है कि पूर्व विधायक ने पर्यटकों से पैसे भी छीन लिए। बता दें कि ये कोई पहली बार नहीं है जब कनहर किसी मुसीबत में फंसे हैं। अक्टूबर 2018 में, उन्हें आंध्र प्रदेश में एक लड़की और उसकी माँ के साथ दुर्व्यवहार करने के लिए गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले पूर्व विधायक का एक सेक्स टेप भी सामने आया था। पुलिस की एक टीम ने टाउन एरिया में पूर्व विधायक को एफसीआई छक से गिरफ्तार किया। पुलिस ने कहा कि कनहर और उसके साथी पर आईपीसी की धारा 160/21/1817/34/365 के तहत मामला दर्ज किया गया है। हालांकि, मामले के तीन अन्य आरोपी अभी भी फरार हैं।

> पुलिस की एक टीम ने टाउन एरिया में पूर्व विधायक को एफसीआई छक से गिरफ्तार किया।

यमुना एक्सप्रेस वे पर दर्दनाक हादसा, टैंकर और इनोवा की टक्कर में 7 लोगों की मौत

मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर माइलस्टोन 68 के पास टैंकर द्वारा टक्कर मार देने से इनोवा में सवार 7 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर डीएम और एसएसपी भी मौके पर पहुंच गए हैं। सभी मृतक हरियाणा के जींद के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार एक इनोवा आगरा से नोएडा की तरफ जा रही थी। माइलस्टोन 68 के पास नोएडा की ओर से आ रहे डीजल टैंकर ने टक्कर मार दी। टैंकर किसी वजह से बेकाबू होकर सड़क के दूसरी ओर से क्रॉस करता हुआ इनोवा से जा टकराया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि इनोवा के परखच्चे उड़ गए और इनोवा में सवार सभी लोग उसमें बुरी तरह कुचलते हुए फंस गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और यमुना एक्सप्रेसवे प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंच गई।

हादसे की तेज आवाज से दहल गए सभी

यमुना एक्सप्रेस वे पर आधी रात करीब 12 बजे जिस तरह भीषण हादसा हुआ, उसकी आवाज से लोगों के दिल दहल गए। वहीं आने-जाने वाले भी हादसा देखकर दहशत में आ गए। हादसे की भयावहता इतनी थी कि मौके पर गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त पड़ी थी और उसमें लहूलुहान अवस्था में शरीर फंसे हुए थे। घटना की जानकारी मिलते ही जिलाधिकारी और एसएसपी मौके पर पहुंच गए।

जानकारी के अनुसार सभी मृतक जींद के रहने वाले थे। सभी के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजे जा रहे थे। मृतकों में मनोज (45) पुत्र किशोरी निवासी सफीदों जींद, उनकी पत्नी बबीता (40), बेटा अभय (18) और हेमंत (16), सफीदों निवासी मुकेश की पुत्री हिमांगी (14), मुकेश का पुत्र मनु (10) और चालक राकेश (39) भी था।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

हिन्दू महिला पिता के परिवार को दे सकती है अपनी संपत्ति

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में व्यवस्था दी है कि हिन्दू महिला के पिता की ओर से आए लोगों को उसकी संपत्ति में उत्तराधिकारी माना जा सकता है। ऐसे परिजनों को परिवार से बाहर का व्यक्ति नहीं माना जा सकता, हिन्दू उत्तराधिकार कानून की धारा 15.1.डी के दायरे में आएंगे और संपत्ति के उत्तराधिकारी होंगे। फैसले में शीर्ष अदालत ने कहा कि महिला के पिता की ओर से आए परिजन हिन्दू उत्तराधिकार कानून, 1956 की धारा 15.1.डी के तहत उत्तराधिकारियों के दायरे में आएंगे। जस्टिस अशोक भूषण की पीठ ने कहा कि धारा 13.1.डी को पढ़ने से साफ जाहिर है कि पिता के उत्तराधिकारियों को उत्तराधिकारी माना गया है, जो संपत्ति को ले सकते हैं। लेकिन, जब महिला के पिता की ओर से आए उत्तराधिकारियों को शामिल किया जाता है, जो संपत्ति को हासिल कर सकते हैं तो ऐसे में यह नहीं कहा जा सकता है कि वे परिवार के लिए अजनबी हैं और महिला के परिवार के सदस्य नहीं हैं।

क्या है मामला-कोर्ट ने यह व्यवस्था एक ऐसे मामले में दी, जिसमें एक महिला जग्नो को उसके पति की संपत्ति मिली थी। पति की 1953 में मौत हो गई थी। उसको कोई बच्चा नहीं था, इसलिए कृषि संपत्ति का आधा हिस्सा पत्नी को मिला। उत्तराधिकार कानून, 1956 बनने के बाद धारा 14 के अनुसार, पत्नी संपत्ति की एकमात्र पूर्ण वारिस हो गई। इसके बाद जग्नो ने इस संपत्ति के लिए एक एग्रीमेंट किया और संपत्ति अपने भाई के पुत्रों के नाम कर दी। इसके बाद उनके भाई के बेटों ने 1991 में सिविल कोर्ट में वाद दायर किया कि उन्हें मिली संपत्ति का स्वामित्व उनके पक्ष में घोषित किया जाए। जग्नो ने इसका प्रतिवाद नहीं किया और अपनी संस्तुति दे दी।

● कानून में आए शब्द परिवार को संकीर्ण अर्थ नहीं दिया जा सकता, इसे विस्तारित अर्थ में देखना होगा, जिसमें हिन्दू महिला के परिजन भी शामिल होंगे।

संस्तुति डिक्री को चुनौती दी-कोर्ट ने संपत्ति का स्वामित्व मंजूरी डिक्री के साथ जग्नो के भाई के बेटों के नाम कर दिया, लेकिन संपति के इस स्थानांतरण का जग्नो के पति के भाइयों ने विरोध किया और उन्होंने संस्तुति डिक्री को चुनौती दी। उन्होंने कहा कि हिन्दू विधवा अपने पिता के परिवार के साथ संयुक्त हिन्दू परिवार नहीं बनाती। इसलिए उसके पिता के बच्चों के नाम ये संपत्ति नहीं की जा सकती। परिवारिक सैटलमेंट उन्हीं लोगों के साथ किया जा सकता है, जिनका संपत्ति में पहले से ही अधिकार है। मगर, हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी। इसके बाद वे सुप्रीम कोर्ट आए।

सुप्रीम कोर्ट ने हिन्दू उत्तराधिकार कानून की धारा 15.1.डी की व्याख्या की

सुप्रीम कोर्ट ने हिन्दू उत्तराधिकार कानून की धारा 15.1.डी की व्याख्या की और कहा कि हिन्दू महिला के पिता की ओर से आए परिजन अजनबी नहीं हैं, वे भी परिवार का हिस्सा हैं। कानून में आए शब्द परिवार को संकीर्ण अर्थ नहीं दिया जा सकता, इसे विस्तारित अर्थ में देखना होगा, जिसमें हिन्दू महिला के परिजन भी शामिल होंगे। कोर्ट ने साथ में यह भी स्पष्ट किया कि ऐसी संपत्ति जिसमें पहले से ही अधिकार सृजित है, उस पर यदि कोई संस्तुति डिक्री होती है तो उसे रजिस्ट्रेशन एक्ट की धारा 17.2 के तहत पंजीकृत करवाने की जरूरत भी नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सतर्कता का समय

महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों में कोरोना संक्रमण के नए मामले गंभीर चिंता के विषय हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कई दिनों पहले राज्य के लोगों को आगाह किया था कि वे लापरवाही न बरतें, और अगर उन्होंने कोरोना दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया, तो फिर मजबूरन सरकार को सख्त कदम उठाने पड़ेंगे। मुख्यमंत्री की चिंता की तस्दीक यह तथ्य कर देता है कि राज्य में 10 फरवरी से संक्रमण के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं और 22 फरवरी तक ही लगभग 60 हजार नए लोग इस घातक वायरस की चपेट में आ चुके हैं। जाहिर है, अमरावती में लॉकडाउन की वापसी हो चुकी है। कई अन्य जिलों में भी नियम सख्त कर दिए गए हैं। इधर दिल्ली, पंजाब में भी कुछ एहतियाती कदम उठाए गए हैं। महाराष्ट्र के अलावा मध्य प्रदेश, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, छत्तीसगढ़ और हरियाणा में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। यह बढ़ोतरी 11 प्रतिशत से लेकर 81 फीसदी तक दर्ज की गई है। साफ है, देश में महामारी की नई लहर का खतरा मंडराने लगा है और किसी तरह की उदासीनता हालात को एक बार फिर गंभीर मोड़ पर ले जा सकती है। पिछले दिनों जब केरल में मामले तेजी से बढ़े थे, तब यह आशंका जताई गई थी कि कहीं इसके पीछे वायरस के नए वेरिएंट का योगदान तो नहीं है। इस बात की जांच अभी की जा रही है। मुंबई, केरल, पंजाब और बेंगलुरु के एकत्र सैंपल के जीनोम एनालिसिस के बाद ही विशेषज्ञ किसी नतीजे पर पहुंचेंगे। हालांकि, यह संतोष की बात है कि देश में टीकाकरण अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है और सोमवार तक एक करोड़, 14 लाख से अधिक लोगों को टीके लगाए जा चुके हैं। अगले चरण में 27 करोड़ लोगों को टीके लगाने का लक्ष्य है। इस कार्य में तेजी लाने के लिए निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सुखद यह है कि कुछ परोपकारी उद्यमियों ने सहयोग का भरोसा भी दिया है। दुनिया के तमाम देशों की तरह भारत भी एक बेहद मुश्किल दौर से निकलकर यहां तक पहुंचा है। लेकिन इसकी चुनौतियां कहीं बड़ी हैं, क्योंकि न सिर्फ इस पर अपनी विशाल जनसंख्या का भार है, बल्कि कोरोना से जंग में 70 से भी अधिक देश इसकी तरफ टकटकी लगाए बैठे हैं। भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को भी पटरी पर वापस लाना है। अर्थव्यवस्था में सुधार के लक्षण तो दिखाई दे रहे हैं, और इसकी मुनादी तमाम प्रतिष्ठित रेटिंग एजेंसियां भी कर रही हैं। मगर कोरोना को लेकर कोई भी नकारात्मक खबर इसकी आर्थिक प्रगति को बाधित कर सकती है। कोरोना के खिलाफ अब तक की जंग में तमाम उपलब्धियों के बावजूद कुछ चूक ऐसी हैं, जो लंबे समय तक इंतजामिया को चिढ़ाती रहेंगी। ये चूक नागरिकों के स्तर पर नहीं, बल्कि सरकारों के स्तर पर हुई हैं। खासकर बिहार और मध्य प्रदेश से कोरोना जांच में जैसी गड़बड़ियां उजागर हुई हैं, वे बताती हैं कि इतने गंभीर मामले में भी प्रशासनिक अमले का रवैया नहीं बदलता। यकीनन, आबादी और स्वास्थ्य सुविधाओं के मुकाबले भारत को महामारी से कम नुकसान हुआ, फिर भी देश इस तथ्य को नहीं बदल सकता कि उसके 1,56,400 से अधिक नागरिक अब तक इस महामारी की भेंट चढ़ चुके हैं। इसलिए प्रशासनिक तंत्र से लेकर नागरिक स्तर पर अभी पूरी सतर्कता बरती जानी चाहिए। किसी चूक के लिए कहीं कोई गुंजाइश न रहे।

आज के ट्वीट

जीवन स्तर

हमारी सरकार का प्रयास, लोगों के जीवन स्तर को सुधारने के साथ ही, लोगों के जीवन में सरकार के बेवजह के दखल को भी कम करना है। यानि जीवन में ना सरकार का अभाव हो, ना सरकार का प्रभाव हो।

- पीएम

प्रशासन की बुनियाद मजबूत करने का वक्त

गुरबचन जगत

वर्ष 1922 में ब्रिटिश संसद में बोलते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री लॉयड जॉर्ज ने ब्रिटिश प्रशासनिक सेवा के बारे में टिप्पणी की थी- 'यदि आप संरचना को सहारा देने वाला लोहे का फ्रेम निकाल देंगे तो आवरण ढह जाएगा।' इसी तरह सरदार पटेल ने अक्तूबर, 1949 में संविधान सभा में कहा था : 'यदि आपके पास एक बेहतर अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा नहीं है, जिसे खुलकर अपनी बात कहने की इजाजत हो, तो एक मजबूत संयुक्त भारत नहीं बन पाएगा' और आगे जोड़ा 'यदि आप एक दक्ष अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा चाहते हैं, तो मेरी सलाह है कि उन्हें बेहिचक अपना मुंह खोलने की आज्ञा हो, यही लोग सरकारी तंत्र के 'कलपुर्जे' होते हैं, इनको दबा कर रखने से देश में और कुछ नहीं, बस अराजकता का मंजर देखना पड़ेगा।' अब 10 फरवरी, 2021 के दिन संसद में मौजूदा प्रधानमंत्री ने कहा कि अधिकांश विभागों को भारतीय प्रशासनिक सेवाधिकारी चला रहे हैं, उन्होंने अफसरों के लिए 'बाबू' शब्द का इस्तेमाल किया, जो मीडिया द्वारा मशहूर की गई एक संज्ञा है। प्रधानमंत्री के मुख से यह शब्द सुनना कुछ हैरानीजनक था, क्योंकि इसी 'बाबूशाही' पर उनका भरोसा सदा रहा है। देश को एक सूत्र में पिरोकर रखने वाले प्रशासनिक अधिकारी, जिन्हें कभी संसद में 'लोहे का फ्रेम' या 'कलपुर्जों' जैसे विशेषणों से सराहा गया था, महज 73 सालों के सफर के बाद उनका जिक्र 'बाबू' अर्थात विशिष्टता से उपहास योग्य पात्र तक आन पहुंचा। राजकाज का जो ढांचा हमने अपनाया है, उसमें जनता केंद्र एवं राज्यों में सरकार चलाने को जनप्रतिनिधि चुनती है और अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी कार्यपालिका रूपी मशीनरी के कलपुर्जे हैं। धीरे-धीरे राजनेताओं ने अफसरों की प्रशासनिक शक्ति हड़प ली और राज व्यवस्था को अपनी निजी जागीर समझकर चलाने लगे। कानूनों को तोड़ा-मरोड़ा गया और व्यवस्था को राजनीतिक अथवा निजी उद्देश्य पाने के लिए घुमा दिया गया। कुछ निर्लज्ज अफसरों ने राजतंत्र में मौजूद अपने जैसे बेशर्म राजनीतिक तत्वों से सांठगांठ करनी शुरू कर दी और अब यह बीमारी निचले स्तर पर भी फैल चुकी है। बल्कि बीमारी महामारी का रूप धर चुकी है, जिसके निदान में वैक्सीन के तौर पर केवल अंतरात्मा रूपी औषधि ही बची है या फिर व्यक्ति के अंदर सत्ता के सामने खड़े होकर सच कहने का साहस हो। शुक्र है कि अभी भी कुछ अफसर बचे हैं जो ऐसा करते हैं और शायद यही कारण है कि प्रशासनिक तंत्र पूरी तरह ढहने से बचा हुआ है। कालांतर में संस्थानों की संप्रभुता को कैसे पंगु बनाया गया, कानून-नियमों को धता बताना, सत्ता से सांठगांठ करने वालों को पुरस्कृत करना और अंतरात्मा रखने वाले अफसरों को हाशिए पर डाल देने जैसे काम कैसे किए गए, फिलहाल मैं इसकी तफ्सील में नहीं जाना चाहता। यह सब होने देने में ज्यादातर अफसर स्वयं इच्छुक हो गए थे, अधीनता स्वीकारने वाले सत्ता के यह सहभागी अपना मुंह इस डर से बंद रखते हैं कि कहीं राजनेताओं का कोपभाजन न बनना पड़े। नेता-सिविल अधिकारी- न्यायपालिका के बड़े ओहदेदार-अंतरंग व्यापारी मित्र-उद्योगपतियों के बीच गठजोड़ पूरी तरह बन चुका है और इस स्थिति में है कि न केवल नीतियों को प्रभावित कर पाए बल्कि इनकी रूपरेखा भी अपनी मर्जी से तय करवा लेता है। आम आदमी, जिसके लिए लोकहितकारी शासन व्यवस्था वजूद में आई थी, वह अब चुनाव प्रचार के अलावा कहीं नज़र नहीं आती, जब धर्म-जाति इत्यादि के नाम पर वोटों की खरीद-फरोख्त या प्राप्ति की जाती है। आजादी प्राप्ति के बाद लगभग 30 साल तक देश की आर्थिकी को स्थायित्व देने हेतु सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम बनाए गए थे। जब ब्रिटिश गए तो देश में निजी क्षेत्र न के बराबर था। विदेशी शासक प्रगति करवाने वाला कोई बुनियादी ढांचा छोड़कर नहीं गए क्योंकि भारत की तरक्की में उनकी दिलचस्पी क्योंकर होती। सब कुछ नए सिरे से बनाना पड़ा और यह काम उन लोगों ने किया जो दूरंदेश, बुद्धिमान, राष्ट्रनिष्ठ और कानून सम्मत सत्ता चलाने में पूर्ण आस्था रखते थे। इन विभूतियों ने देश का संविधान बनाया और इसमें निहित किए गए सिद्धांतों का पालन खुद भी किया। इन्होंने सिविल प्रशासनिक सेवा को साथ लेकर देश को सर्वांगीण विकास की राह पर ले जाने के जरूरी बांध, सिंचाई व्यवस्था, स्टील प्लांट, उच्च विज्ञान शिक्षा संस्थान, शांतिपूर्ण कार्यों हेतु परमाणु ऊर्जा संयंत्र, कृषि विश्वविद्यालय, सीमेंट उद्योग और ऐसे कई अन्य उद्योग-धंधे स्थापित किए। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत की आवाज की इज्जत थी। ऐसा इसलिए था, क्योंकि उस वक्त नेताओं और नागरिकों के बीच कोई विशिष्ट गठजोड़ नहीं था। राष्ट्रीय विकास-गाड़ी को समस्त जनता, राजनेताओं और अधिकारियों को साथ मिलकर धक्का लगाते देखा गया था। लेकिन सार्वजनिक क्षेत्र के उपकर्म आशातीत दक्षता से कम प्रदर्शन क्यों करने लगे? पहले इनका प्रबंधन अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवा के अफसर किया करते थे। एक कठिन परीक्षा में उत्तीर्ण होकर भर्ती होने के बाद देश के सर्वोत्तम संस्थानों में प्रशिक्षण होता था और फिर सचिवालय एवं कर्मभूमि के वे अनुभवी महिला-पुरुष विशेषज्ञ उनको आगे निखारते थे, जिनका प्रशासन कौशल और ईमानदारी स्वयंसिद्ध थी। वर्ष 2002-07 के बीच मैं संघ लोकसेवा आयोग से जुड़ा हुआ था और बेहिचक कह सकता हूं कि साल-दर-साल लाखों की तादाद में सिविल सेवा के लिए इम्तिहान देने वालों में शायद ही किसी को मैंने आयोग की निष्पक्षता और ईमानदारी को लेकर शिकायत करते देखा होगा। हर साल देशभर के सबसे मेधावी युवा लड़के-लड़कियां इन परीक्षाओं में बैठते हैं और चंद हजार ही सफल हो पाते हैं। समस्या की शुरुआत तब होती है जब उनकी नियुक्ति राज्यों के कार्यक्षेत्रों में होती है, जहां पाला पड़ता है चुनावी-तंत्र नीत व्यवस्था से। यानी पंचायत, नगर परिषद, निगम, विधायक, सांसद, मंत्रियों इत्यादि से, तब उन्हें पता चलना शुरू होता है कि किताबी ज्ञान और धरातल की ठोस असलियत में क्या अंतर होता है। मुश्किल में वे अपने वरिष्ठों से सलाह-मदद मांगते हैं तो उन्हें गलत काम करने के लिए मजबूर किया जाता है, शायद ही कोई वरिष्ठ नये अफसरों के साथ खड़ा होता है। तो क्या यह कर्मभूमि में व्याप्त राजनीतिक दखलअंदाजी नहीं, जो प्रशासन को कायदे-नियमों के मुताबिक काम नहीं करने देती? यह राजनीति के तमाम स्तरों पर जीतकर आने वालों की गुणवत्ता पर निर्भर है। आज संसद में लगभग 200 सांसद हैं, जिन पर आपाराधिक मामले दर्ज हैं और उनमें कई मंत्री हैं। यही कुछ राज्यों की विधानसभा से लेकर पंचायत स्तर तक देखने मिलता है। भ्रष्ट राजनीतिक ढांचा बनने में उन्हें ऐसी प्रवृत्ति वाले 'कल-पुर्जों' की जरूरत पड़ती है, जो गलत काम में साथ दें। यह सब देखने के बाद युवा अफसरों को 'अक्ल' आने लगती है और अधिकांशतः तंत्र में व्याप्त तौर-तरीकों को अपना लेते हैं। फिर उनकी प्रवृत्ति में भी संदिग्ध आचरण के विभिन्न रंग-ढंग देखने को मिलते हैं। निःसंदेह बदलाव की पहल हमें राजनीतिक ढांचे से करनी होगी। इस काम के लिए नामी न्यायविद, संविधान विशेषज्ञ, तमाम राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि इत्यादि को मिलाकर विशेष आयोग बनाया जाए। वह मौजूदा स्थिति पर निष्पक्ष नजर डाले और तमाम राजनीतिक दलों के लिए आचारसंहिता बनाए, जिसमें तय हो कि चुनाव के लिए टिकट आवंटन करने से लेकर मंत्रिपद तक चुने जाने वाले कैसे हों, अफसरों से कितना राब्ता रखा जाए, स्थानांतरण और नियुक्ति में दखलअंदाजी न हो, अफसरों की शिकायतों पर सुनवाई इत्यादि कुछेक उपाय हैं। उक्त आयोग एवं आचार संहिता को बाकायदा संवैधानिक दर्जा दिया जाए। हो यह रहा है कि राजनीतिक ढांचा, जो तमाम समस्याओं की जड़ है, इसको सुधारने का रास्ता अख्तियार करने की बजाय संयुक्त सचिव पद पर सीधी भर्ती करने जैसे अधकचरे उपाय किए जा रहे हैं। सुधार लाने में यह कैसे उपयुक्त हो पाएंगे? उनके आने से काडर संबंधित अफसरों की तरक्की संबंधी संभावनाओं पर क्या असर होगा? उनका चयन कैसे किया जाएगा? क्या इसमें भी आरक्षण की व्यवस्था होगी? इस पचड़े में पड़ने की बजाय बेहतर होगा कि हम संघ लोकसेवा वाली व्यवस्था से ही काम चलाएं।

ज्ञान गंगा

लोकसेवा

श्रीराम शर्मा आचार्य

लोकसेवा के लिए मन में उमंग और उत्साह उठने के बाद तत्काल उस ओर प्रवृत्त नहीं हुआ जा सकता। इसके लिए अपना दृष्टिकोण बदलना पड़ता है। मनुष्य के पास थोड़ी-सी शक्तियां हैं और छोटा सा जीवन है, उसे लौकिक प्रयोजनों में लगाने का निश्चय स्वयं करना पड़ता है। लोकसेवी अपनी शक्तियों का नियोजन जनसेवा के लिए परमार्थ कार्यों के लिए करता है। अतः उसे अपनी आवश्यकताओं और सुविधाओं के लिए दूसरे से भिन्न दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और अपना जीवन स्तर तथा साधनों के उपयोग की रीति-नीति भिन्न रखनी चाहिए। प्रायः दृष्टिकोण न बदलने के कारण ही सेवाधर्म कठिन जान पड़ता है, और उसका निर्वाह नहीं हो पाता। जैसे आवश्यकताओं को ही लें। बहुत से व्यक्ति सोचते हैं कि संपन्नता और समृद्धि ही जीवन का लक्ष्य है और उन्हें प्राप्त करने में जो सफल हो गया, वही धन्य है। लोकसेवी का दृष्टिकोण इससे अलग होना चाहिए। उसे साधनों की विपुलता को नहीं, व्यक्तित्व की श्रेष्ठता को बड़प्पन का आधार मानना चाहिए। ऐसा न हो सका, तो लोकसेवी उन्हीं गोरखधंधों में उलझ कर रह जाएगा, जिसमें कि दूसरे लोग उलझ जाते हैं। लोकसेवी को जन सामान्य से भिन्न रीति-नीति अपनानी चाहिए। निर्वाह के लिए कम से कम आवश्यकताएं रखने का दृष्टिकोण विकसित करना चाहिए। समझा जाता है कि हम जितनी शान-शौकत और मौज-मजे के विलासितापूर्ण साधनों का उपयोग करेंगे, उतना ही बड़प्पन मिलेगा। वस्तुतः यह सोचना गलत है। इसके लिए अपने बड़प्पन की परिभाषा बदलनी चाहिए। बड़प्पन धन-संपत्ति या शान-शौकत से नहीं, उत्कृष्ट और आदर्श व्यक्तित्व तथा महान बनाने वाले सद्गुणों से मिलता है। प्राचीनकाल में लोकसेवी परंपरा के अंतर्गत जितने भी संत, ऋषि, विचारक और महापुरुष हुए उन्होंने यही दृष्टिकोण अपनाया। ऋषियों के रहन-सहन की सादगी इतनी सुविख्यात है कि उस संबंध में कुछ भी कहना पुनरुक्ति ही कहलाएगा। चाणक्य ने भारत को राष्ट्र के रूप में संगठित करने के लिए चंद्रगुप्त का मार्गदर्शन किया और हमेशा एक कुटिया में रहे।

चाहते तो अपने लिए प्रचुर साधन-सुविधाएं जुटा सकते थे, सुविधा संपन्न जीवन व्यतीत कर सकते थे। लेकिन लोकसेवियों की आदर्श परंपरा की रक्षा के लिए उन्होंने न्यूनतम आवश्यकता की मर्यादा का ही पालन किया। वर्तमान समय में इस परंपरा को पुनर्जीवित करने की महती आवश्यकता है।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

इस गुनाह में है हम सबकी हिस्सेदारी

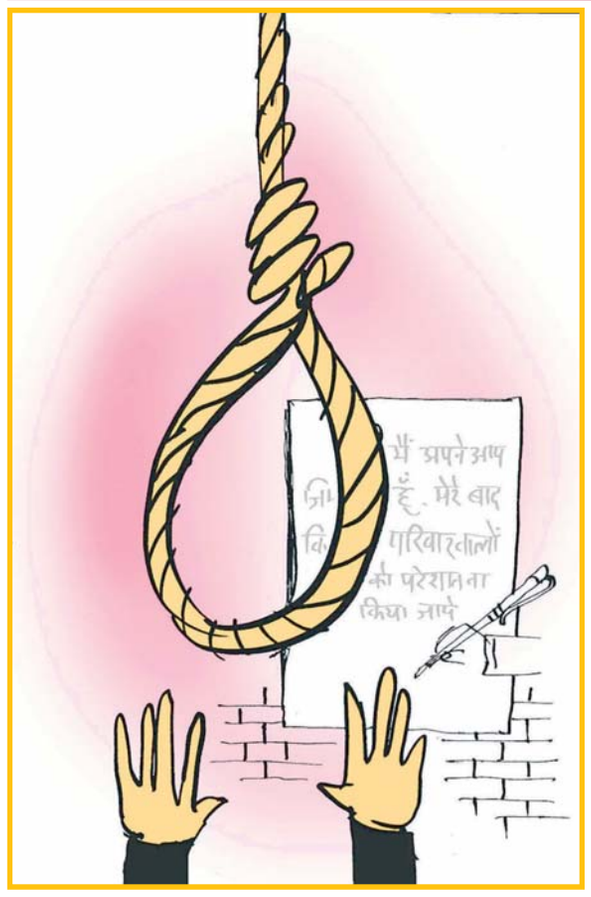

कृष्ण प्रताप सिंह

यह कौन नहीं चाहेगा, उसको मिले प्यार... बेटे-बेटी को मिले ठिकाना दुनिया में... हौसला दिलाने और बरजने आसपास, हों संगी-साथी, अपने प्यारे खूब घने। पर हमने यह कैसा समाज रच डाला है, इसमें जो कुछ भी दमक रहा है, काला है... वह कत्ल हो रहा सरेआम चौराहे पर, निर्दोष और सज्जन जो भोला-भाला है। महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के राशिन गांव में 'गरीबों के डॉक्टर' के नाम से प्रसिद्ध चिकित्सक व सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. महेंद्र थोराट द्वारा किशोरावस्था फलांग रहे अपने दिव्यांग बेटे के प्रति सामाजिक बेदिली से तंग आकर समूचे परिवार के साथ आत्महत्या कर लेने की बाबत जो तथ्य सामने आये हैं, वे सही हैं तो सबसे पहले हिन्दी के दिवंगत जनपक्षधर कवि वीरेन डंगवाल के शब्दों में यही सवाल पूछना होगा। प्रसंगवश, परिवार के कथित सामूहिक फैसले के तहत डॉ. थोराट ने पहले अपनी पत्नी व दो बेटों को ज़हर के इंजेक्शन लगाये, फिर फांसी लगाकर खुद भी जान दे दी। इसका पता अगली सुबह तब चला, जब उनके द्वारा अपने गांव में ही गरीबों के लिए संचालित अस्पताल में इलाज के लिए मरीज पहुंचने शुरू हुए। मौके से बरामद सुसाइड नोट के अनुसार बेटे की दिव्यांगता डॉ. थोराट के समूचे परिवार के लिए अरसे से सामाजिक अपमान का कारण बनी हुई थी। हालांकि, परिवार की सामूहिक आत्महत्या का यह कारण पुलिस को स्वाभाविक नहीं लग रहा। सुसाइड नोट पर अविश्वास करना भी शामिल है, जिसमें लिखा है कि 'अब कोई बात सुनने की हमारी शक्ति समाप्त हो गई है, इसलिए इस संसार को अलविदा कह रहे हैं।' डॉ. थोराट के निकटवर्तियों के अनुसार उनका सोलह-सत्रह साल का बेटा कृष्णा किसी जन्मजात विकृति के कारण कानों से सुन नहीं पाता था, इसलिए अनेक बार अपने-पराये दोनों के बुरे बर्ताव का शिकार होता था। उन्होंने उसे क्रिकेट के प्रशिक्षण के लिए पुणे के एक खेल संस्थान में भर्ती कराया, तो वहां भी उसको उस सामाजिक व सांस्थानिक असंवेदनशीलता से निजात नहीं मिली, जो इक्कीसवीं सदी के इक्कीसवें साल में भी इस देश में दिव्यांगों की नियति बनी हुई है। कहते हैं कि उसके सहप्रशिक्षार्थी भी उसकी असमर्थता का मजाक उड़ाने से नहीं चूकते थे। कोढ़ में खाज यह कि पिछले साल कोरोना की महामारी आई तो लॉकडाउन के कारण उक्त संस्थान बन्द हो गया और कृष्णा को प्रशिक्षण छोड़कर घर वापस आ जाना पड़ा, जहां उसकी निराशा चरम पर जा पहुंची। डॉ. थोराट की मानें तो उस बिन्दु तक, जहां उसका दुःख परिवार में किसी से भी सहन नहीं होता था। उन्होंने इस बाबत सुसाइड नोट में लिखा है कि 'कृष्णा को अपने भविष्य का रास्ता नहीं सूझता तो उसे बहुत बुरा लगता है, लेकिन वह हम पर जाहिर नहीं होने देता और माता-पिता होने के नाते हम उसके दुःख को सहन नहीं कर पाते क्योंकि उसे जन्म देने के नाते खुद को उसका अपराधी महसूस करते हैं। इसलिए...।' इस परिवार की सामूहिक आत्महत्या इसलिए कहीं ज्यादा चौंकाती है कि यह एक डॉक्टर से जुड़ी हुई है। डॉक्टरों को आम तौर पर मजबूत कलेजे वाला माना जाता है, इसलिए समझना मुश्किल है कि अनेक असाध्य मरीजों को व्याधियों व दुःखों से निजात दिलाकर उनमें जिन्दगी की उम्मीदें जगाने वाले डॉ. थोराट अपने दुःख से अचानक इस कदर उम्मीदें खोकर क्यों हार गये? अपने दुःखांत से पहले उनका समूचा परिवार आखिरी बार सामूहिक रूप से रोया। इससे भी कि वे सुसाइड नोट में यह दर्ज करना भी नहीं भूले कि ऐसा कदम उठाना हमें खुद भी ठीक नहीं लग रहा, लेकिन करें तो क्या करें? कर सकते हैं तो हमें इसके लिए माफ कर दें और इसके लिए किसी को भी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से दोषी न मानें। निःसंदेह समाज के हिस्से के तौर पर इस दोष में हम सबका हिस्सा है। यानी थोराट परिवार के अपराधी सिर्फ वही नहीं, जो बेटे की दिव्यांगता के बहाने मजाक उड़ाकर उनके पूरे परिवार की यातना का कारण बने हुए थे। इस यातना को बांटने और कम करने के लिए एक भी हाथ आगे नहीं आया तो सवाल है कि आखिर हमने कैसा समाज रच डाला है? हम सामाजिक संवेदनहीनता की जिम्मेदारी से नहीं बच सकते, जिसने अपने ही बीच के परिवार को इतना 'अकेला' और निरुपाय कर डाला। हां, डॉ. थोराट किसी के सबसे ज्यादा अपराधी हैं तो अपने छोटे बेटे कैवल्य के। बड़े बेटे के दुःख में, वह कितना भी अंतहीन क्यों न लगा हो, उन्हें अपने छोटे बेटे की जान लेने का कोई हक नहीं था।

मुश्किल से सात साल के कैवल्य का कोई अपराध नहीं था। उसने इस सामूहिक आत्महत्या की बाबत सहमति दे रखी हो तो भी यह उसके साथ बलात्कार ही था। बहरहाल, उनका यह अपराध हमारी सामाजिक असामाजिकता जितना ही अक्षम्य है और उनकी इस सदाशयता के बावजूद रहेगा कि उन्होंने अपनी सारी सम्पत्ति दिव्यांग बच्चों के लिए काम करने वाली किसी संस्था को दान देने की इच्छा जताई है। अंत में एक और बात यह है कि विकलांगों को दिव्यांग संज्ञा दे देने भर से ही उसे उनकी समस्याओं के अंत का दिवास्वप्न नहीं देखना चाहिए।

स्वदेशी लैपटॉप और कंप्यूटर को मिलेगा बढ़ावा, PLI स्कीम को मंत्रिमंडल ने दी मंजूरी

बिजनेस डेस्क: सरकार ने लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पीसी तथा सर्वर के विनिर्माण को प्रोत्साहन के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को मंजूरी दे दी है। पीएलआई योजना के जरिए सरकार का इरादा घरेलू विनिर्माण क्षेत्र में वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करने का है। इन हाई-टेक आईटी हार्डवेयर गैजट्स के लिए पीएलआई योजना को हरी झंडी से पहले पिछले सप्ताह केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दूरसंचार उपकरण विनिर्माण के लिए 12,195 करोड़ रुपए की योजना को मंजूरी दी थी। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने बुधवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा कि मंत्रिमंडल ने आईटी हार्डवेयर के लिए 7,350 करोड़ रुपए की पीएलआई योजना को मंजूरी दी है। इसके तहत लैपटॉप, टैबलेट, ऑल-इन-वन पीसी और सर्वर आएंगे। प्रसाद ने कहा कि यह योजना भारत को इन उत्पादों के बड़े विनिर्माण केंद्र के रूप में पेश करेगी। इससे निर्यात बढ़ेगा और रोजगार के नए अवसरों का सृजन होगा। योजना के तहत चार साल के दौरान भारत में इन उत्पादों के विनिर्माण के लिए 7,350 करोड़ रुपए का प्रोत्साहन दिया जाएगा। चार साल में इन उत्पादों का विनिर्माण 3.26 लाख करोड़ रुपए और निर्यात 2.45 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है।

चीन के वाणिज्य मंत्री की अमेरिका से 'संयुक्त प्रयासों' की अपील

बीजिंग. चीन के वाणिज्य मंत्री वांग वेंताओ ने अमेरिका से आपसी व्यापार को फिर आगे बढ़ाने के लिए 'संयुक्त प्रयासों' की अपील की है। हालांकि, उन्होंने इस बात का कोई संकेत नहीं दिया कि दोनों के बीच 'शुल्क लगाने की होड़' खत्म करने पर बातचीत फिर कब शुरू होगी या चीन किसी तरह की रियायत देगा या नहीं। वेंताओ ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''सहयोग ही सही विकल्प है।'' अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने अभी तक चीन को लेकर किसी रणनीति की घोषणा नहीं की है। हालांकि, व्यापक रूप से माना जा रहा है कि वह व्यापार और प्रौद्योगिकी शिकायतों को लेकर चीन पर दबाव बनाएंगे। इसके चलते ही उनके पूर्ववर्ती डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के आयात पर कर बढ़ा दिया था। वेंताओ ने कहा कि द्विपक्षीय आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को सहयोग के रास्ते पर लाने के लिए संयुक्त प्रयासों की जरूरत है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने 11 फरवरी को बाइडन से फोन पर बात की थी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि दोनों पक्षों में व्यापार पर बातचीन दोबारा कब शुरू होगी।

खाद्यान्नों का उत्पादन इस साल रिकॉर्ड 30.33 करोड़ टन होने का अनुमान

नई दिल्ली। खाद्यान्न उत्पादन में भारत फिर एक नया रिकॉर्ड बनाने जा रहा है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा बुधवार को जारी फसल वर्ष 2020-21 (जुलाई-जून) के दूसरे अग्रिम उत्पादन अनुमान के अनुसार देश में खाद्यान्नों का उत्पादन 30.33 करोड़ टन रहने का आकलन किया गया है। आंकड़ों के अनुसार, चावल का उत्पादन रिकॉर्ड 12.03 करोड़ टन, गेहूं का रिकॉर्ड 10.92 करोड़ टन, पोषक व मोटा अनाज 493 लाख टन, मक्का 301.6 लाख टन, दलहनी फसल 244.2 लाख टन, दलहनी फसलों में तुअर 38.8 लाख टन, चना 116.2 लाख टन, तिलहनी फसल 373.1 लाख टन, तिलहनी फसलों में मूंगफली 101.5 लाख टन, सोयाबीन 137.1 लाख टन, सरसों 104.3 लाख टन रहने का अनुमान है। वहीं, गन्ने का उत्पादन 39.76 करोड़ टन और कपास का 365.4 लाख गांठ, एक गांठ में 170 किलो, जबकि पटसन व मेस्ता का उत्पादन 978 लाख गांठ, एक गांठ में 180 किलो रहने का अनुमान है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में देश तरक्की की राह पर तेजी से बढ़ रहा है और वर्ष 2020-21 के लिए मुख्य फसलों के उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमान ने इस बात को फिर सिद्ध किया है।

बड़ा फैसला : अब प्राइवेट बैंक भी कर सकेंगे सरकारी कामकाज, सरकार ने खोला रास्ता

बिजनेस डेस्क:

सरकार ने निजी बैंकों के सरकारी कामकाज करने पर लगी रोक हटा दी है जिससे अब वे भी सरकारी लेनदेन कर सकेंगे। ट्वीट में कहा है कि सरकार ने सरकारी बिजनेस प्राइवेट सेक्टर के बैंकों को मंजूर किए जाने पर से प्रतिबंध हटा लिया है। अब सभी बैंक सरकारी बिजनेस की प्राप्ति के लिए पार्टिसिपेट कर सकेंगे। पहले प्राइवेट सेक्टर के कुछ ही बैंकों को सरकारी बिजनेस की प्राप्ति की अनुमति थी। आगे कहा गया कि सोशल सेक्टर में सरकार की पहलों को आगे ले जाकर और ग्राहक सुविधा को बेहतर बनाकर अब प्राइवेट बैंक भी भारत की अर्थव्यवस्था के विकास में बराबर के भागीदार बन सकते हैं। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग ने बयान जारी कर कहा कि सरकार द्वारा रोक हटाए जाने के बाद अब प्राइवेट सेक्टर के बैंक टैक्स व अन्य रेवेन्यु पेमेंट फैसिलिटी, पेंशन पेमेंट, स्मॉल सेविंग्स स्कीम आदि जैसे सरकार से जुड़े बैंकिंग ट्रांजेक्शन कर सकेंगे। प्राइवेट बैंक सरकारी एजेंसी ले सकेंगे। इस कदम से नागरिकों के लिए टैक्स का भुगतान करना और पेंशन प्राप्ति आसान हो सकेगी। इस कदम से ग्राहक सुविधा और बेहतर बनने, प्रतिस्पर्धा बढ़ने और कस्टमर सर्विसेज के स्टैंडर्ड में और इफीशिएंसी आने की उम्मीद है।

RBI पर भी नहीं होगी पाबंदी

बयान में आगे कहा गया कि सरकार की ओर से रास्ता खोले जाने के बाद अब सरकारी एजेंसी समेत सरकारी बिजनेस पब्लिक सेक्टर बैंकों के साथ-साथ प्राइवेट सेक्टर के बैंकों को भी दिए जाने को लेकर RBI पर भी कोई बंदिश नहीं होगी। अब प्राइवेट बैंक भी सरकार के आर्थिक व सामाजिक एजेंडा में बराबर के हिस्सेदार होंगे।

एक्जिम बैंक ने मॉरीशस को दी 10 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा

नयी दिल्ली, भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एक्जिम बैंक) ने भारत की तरफ से रक्षा संबंधित उत्पादों की खरीद के लिये मॉरीशस को 10 करोड़ डॉलर की ऋण सुविधा दी है। एक्जिम बैंक ने बुधवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि भारत सरकार की तरफ से उसने मॉरीशस को 10 करोड़ डॉलर की कर्ज सुविधा दी है। यह ऋण सुविधा भारत से रक्षा उत्पादों की खरीद के लिये दी गयी है। ऋण सुविधा (एलओसी) समझौता 19 फरवरी को हुआ। मॉरीशस के वित्त, आर्थिक नियोजन एवं विकास मंत्री रेंगनादेन पदाची और एक्जिम बैंक के मुख्य महाप्रबंधक गौरव सिंह भंडारी ने समझौते का आदान-प्रदान किया। इसके साथ एक्जिम बैंक मॉरीशस को कुल 76.48 करोड़ डॉलर की छह ऋण सुविधाएं दे चुका है।

एक साल में एक करोड़ युवाओं को मिलेंगे एमएसएमई से रोजगार

बिजनेस डेस्क:

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अगले वित्त वर्ष में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को 80 हजार करोड़ लोन देने का लक्ष्य बैंकों को दिया है। सरकार का दावा है कि इस धनराशि से करीब 20 लाख एमएसएमई लाभान्वित होंगी और अमूमन एक इंडस्ट्री में चार से पांच लोगों को रोजगार मिलेंगे। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर कोरोना काल में युवाओं को निजी क्षेत्र में भी रोजगार दिलाने के लिए विभिन्न स्तर पर कार्य किया गया। इसी का परिणाम है कि प्रदेश सरकार के विशेष समन्वय से इस वित्त वर्ष में आवंटित लक्ष्य 61,759 करोड़ के सापेक्ष दिसंबर तक 61,977 करोड़ के लोन एमएसएमई को दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पहली बार ऐसा हुआ है और इससे लाखों युवाओं को रोजगार के अवसर मिल चुके हैं। इसके अलावा योगी ने अगले वित्त वर्ष के बजट में स्वरोजगार योजना के लिए सौ करोड़ रुपए प्रस्तावित किए हैं। आर्थिक विशेषज्ञ अरविंद जायसवाल ने बताया कि योगी सरकार में एमएसएमई को बैंकों से जो सहूलियत मिल रही है। इससे सिफ एमएसएमई को ही नहीं लाभ मिल रहा है, बल्कि प्रदेश और देश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिल रही है। इससे निजी क्षेत्र में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं। एमएसएमई के अपर मुख्य सचिव नवनीत सहगल ने बताया कि युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए एमएसएमई ग्रोथ इंजन साबित हो रहा है। प्रदेश में पिछले चार साल में 49 लाख एमएसएमई ने निवेश किया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने अगले वित्त वर्ष में एमएसएमई को 80 हजार करोड़ रुपए का लोन देने का लक्ष्य दिया है। इससे 20 लाख एमएसएमई को लाभ मिलेगा और करीब एक करोड़ युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

वित्तीय स्थिरता पर क्रिप्टोकरेंसी के प्रभाव को लेकर चिंतित है रिजर्व बैंक : दास

नयी दिल्ली,

भारतीय रिजर्व बैंक क्रिप्टोकरेंसी के अर्थव्यवस्था की वित्तीय स्थिरता पर संभावित प्रभावों को लेकर चिंतित है और उसने सरकार को इससे अवगत करा दिया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने बुधवार को यह जानकारी दी। दास ने सीएनबीसी-टीवी 18 से साक्षात्कार में कहा, ''क्रिप्टोकरेंसी को लेकर हमारी कुछ प्रमुख चिंताएं हैं। हमने सरकार को इसकी जानकारी दी है। सरकार इसपर विचार कर रही है। मुझे उम्मीद है कि देर-सवेर सरकार इस पर कोई फैसला लेगी। जरूरत होने पर संसद भी इसपर विचार करेगी और निर्णय लेगी।''गवर्नर ने कहा, ''मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी अलग है। ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का अभी दोहन होना है, यह अलग चीज है। लेकिन वित्तीय स्थिरता के दृष्टिकोण से क्रिप्टो को लेकर हमारी कुछ बड़ी चिंताएं हैं और हमने सरकार से इसे साझा किया है। सरकार इसपर विचार और फैसला करेगी।'' हालांकि, दास ने क्रिप्टोकरेंसी पर और कुछ नहीं कहा, लेकिन केंद्रीय बैंक पूर्व में डिजिटल मुद्रा को लेकर चिंता जता चुका है। उसका कहना है कि डिजिटल मुद्रा का इस्तेमाल धन शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए किया जा सकता है।सरकार संसद में ऐसा विधेयक लाने की योजना बना रही है जिसके जरिये कंपनियों और व्यक्तिगत लोगों को क्रिप्टोकरेंसी में कामकाज से रोका जा सकेगा। इसके साथ ही सरकार आधिकारिक डिजिटल करेंसी के लिए भी रूपरेखा तैयार करना चाहती है। रिजर्व बैंक ने 2018 में बैंकों और विनियमन वाली इकाइयों पर क्रिप्टो लेनदेन को समर्थन देने से रोक दिया था। डिजिटल मुद्रा का इस्तेमाल धोखाधड़ी के लिए किए जाने के मद्देनजर केंद्रीय बैंक ने यह कदम उठाया था। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंजों की याचिका पर इन अंकुशों को हटा दिया था। दास ने कहा, ''रिवर्ज बैंक इस खेल में है' और जल्द अपनी डिजिटल मुद्रा शुरू करने की तैयारी कर रहा है।''उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक की डिजिटल मुद्रा पर काम चल रहा है। इसके प्रौद्योगिकी और प्रक्रिया पक्ष पर काम हो रहा है। हम देख रहे हैं कि इसे कैसे शुरू किया जाए।यदि ऐसा होता है, तो रिजर्व बैंक चीन और अन्य केंद्रीय बैंकों के समकक्ष आ जाएगा। चीन में इलेक्ट्रॉनिक युआन प्रचलन में है। दास ने हालांकि डिजिटल मुद्रा पेश करने की कोई तिथि नहीं बताई, लेकिन कहा कि इस परियोजना पर हम पूरा ध्यान दे रहे हैं। मुद्रास्फीति के लक्ष्य के बारे में पूछे जाने पर गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक का आंतरिक कार्यसमूह अगले कुछ दिन में लक्ष्य के दायरे पर अपनी रिपोर्ट देगा।

बाजार में शानदार तेजी, सेंसेक्स 1023 अंक चढ़ा, निफ्टी 14990 के करीब बंद

मुंबई:

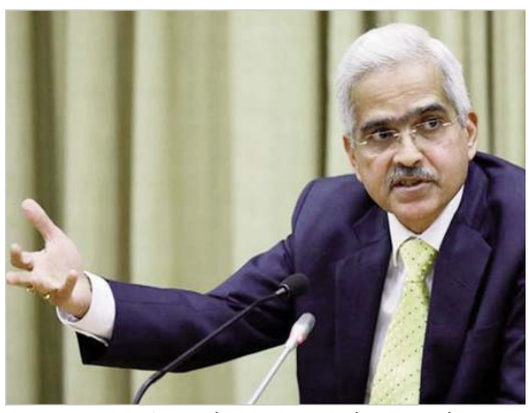

सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार को शेयर बाजार जोरदार बढ़त पर बंद हुआ। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स 1030.28 अंक यानी 2.07 फीसदी की तेजी के साथ 50781.28 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 274.20 अंक यानी 1.86 फीसदी की तेजी के साथ 14982 के स्तर पर बंद हुआ।

शाम पांच बजे तक हुई ट्रेडिंग

सुबह 11ः40 बजे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में कनेक्टिविटी से जुड़े मुद्दों के चलते कारोबार बाधित था। एनएसई के वक्तव्य में कहा गया था कि नेट कनेक्टिविटी के लिए वह दो दूरसंचार सेवा प्रदाताओं की सेवाएं लेता है लेकिन दोनों की सेवाएं ही एक साथ असफल होने से प्रणाली बाधित हुई है। इसके बाद दोपहर 3.45 बजे से बाजार में दोबारा कारोबार शुरू हुआ और पांच बजे ट्रेडिंग बंद हुई।

सरकारी बैंकों के शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी

सेंसेक्स में एक्सिस बैंक और ॥ष्टस्नष्ट बैंक के शेयर में सबसे ज्यादा 5-5त्न की बढ़त रही। बाजार में निवेशकों ने सबसे ज्यादा बैंकिंग शेयरों में खरीदारी की। नतीजतन, निफ्टी बैंक इंडेक्स 1,335 अंकों की बढ़त के साथ 36,452.30 पर बंद हुआ है। निफ्टी भी 274 अंक ऊपर 14,982.00 पर बंद हुआ है।

एक्सचेंज पर 60% शेयरों में बढ़त

एक्सचेंज पर 3,099 शेयरों में कारोबार हुआ। 1,854 के शेयरों में बढ़त और 1,081 में गिरावट दर्ज की गई। बढ़त के चलते लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 203.98 लाख करोड़ रुपए हो गया है। कल यह 201.39 लाख करोड़ रुपए था।

ग्लोबल मार्केट में भारी बिकवाली

दुनियाभर के ज्यादातर बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। जापान का निक्केई इंडेक्स 474 अंकों की गिरावट के साथ 29,682 पर बंद हुआ है। हॉन्गकॉन्ग का हेंगसेंग इंडेक्स 943 अंक नीचे 29,689 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 72 अंक नीचे 3,564 पर बंद हुए हैं। इसी तरह कोरिया के कोस्पी और ऑस्ट्रेलिया के ऑल ऑर्डनरीज इंडेक्स में भी गिरावट रही। बिकवाली की मुख्य वजह फेड द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी और शेयरों की बढ़ती वैल्यू है। मंगलवार को अमेरिकी और यूरोपियन मार्केट दबाव में बंद हुए थे।

मध्य और उच्च श्रेणी के उपभोक्ताओं में बढ़ रही होम लोन की मांग

नई दिल्ली । मध्य और उच्च श्रेणी के उपभोक्ताओं में होम लोन की मांग बढ़ने लगी है। ये खुलासा मैजिकब्रिक्स के एक सर्वेक्षण से हुआ है। सर्वे से पता चला है कि लगभग 38 फीसदी उपभोक्ता 30 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये के बीच का होम लोन लेना चाहते हैं। बेंगलुरु, हैदराबाद और दिल्ली के प्रमुख आवासीय बाजारों में उपभोक्ताओं की मुख्य मांग का कुल 46 प्रतिशत 30 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये के बीच की प्रॉपर्टी में है। मैजिकब्रिक्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि मांग बढ़ने के पीछे कई कारण हैं, जैसे घर से काम (वर्क प्रॉम होम), सर्किल रेट और स्टैंप ड्यूटी में कमी और कम ब्याज दर। सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 20 प्रतिशत भावी खरीदार 50 लाख रुपये से 1 लाख रुपये और उससे अधिक का होम लोन लेने की योजना बना रहे हैं। मैजिकब्रिक्स के सीईओ, सुधीर पई ने उपभोक्ताओं के नए ट्रेंड पर टिप्पणी करते हुए कहा, केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा उठाए गए कदमों की वजह से हम मध्य और उच्च श्रेणी की संपत्तियों के लिए होम लोन की मांग में वृद्धि देख रहे हैं। पई ने कहा, बाजार में सेंटीमेंट मांग के अनुरूप है और मैजिकब्रिक्स पर लोगों के सर्च से पता चला है कि उपभोक्ताओं की औसत खोज 34 लाख रुपये की प्रॉपर्टी है।

तनाव, बॉयकॉट बेअसर ! चीन फिर बना भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार

बिजनेस डेस्क:

पिछले साल भारत-चीन सीमा पर जबरदस्त तनाव और इसके बाद देश में चीन विरोधी माहौल बढ़ने, चीनी माल के बॉयकॉट जैसे अभि यानों का ऐसा लगता है कि खास असर नहीं पड़ा है। साल 2020 में चीन एक बार फिर से भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया है। भारत के वाणिज्य मंत्रालय के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार दोनों देशों के बीच व्यापार पिछले साल 77.7 बिलियन डॉलर था। हालांकि यह पिछले वर्ष के 85.5 बिलियन से डॉलर कम था लेकिन यह चीन को सबसे बड़ा वाणिज्यिक भागीदार बनाने के लिए पर्याप्त था। हालही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध लगा दिया था, साथ ही में पड़ोसी से निवेश की मंजूरी को धीमा कर दिया था। सीमा पर विवाद के बाद भारत ने आत्मनिर्भर भारत को भी बढ़ावा देने की घोषणा की थी ताकि बाहरी देशों पर निर्भरता कम की जा सके। भारत चीन निर्मित भारी मशीनरी, दूरसंचार उपकरण और होम अप्लाइंस का आयात करता है। चीन के साथ द्विपक्षीय व्यापार अंतर 2020 में लगभग 40 बिलियन डॉलर था। चीन से कुल 58.7 बिलियन डॉलर का आयात अमेरिका और यूएई के संयुक्त आयत से अधिक था, जो क्रमशः इसके दूसरे और तीसरे सबसे बड़े व्यापार भागीदार हैं। भारत ने कोरोना वायरस महामारी के कारण मांग पर पड़े असर के बीच अपने एशियाई पड़ोसी से आयात कम किया।

चीन को निर्यात 16.15 प्रतिशत बढ़ा

2020 में भारत ने न सिर्फ चीन से आयात घटाया, बल्कि निर्यात भी 16.15 प्रतिशत बढ़ाने में कामयाब रहा। इस दौरान भारत से कुल 20.87 अरब डॉलर का निर्यात हुआ। निर्यात और बढ़ाने के लिए सरकार घरेलू विनिर्माण क्षेत्र को मजबूत बना रही है। उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के तहत ताइवान भी अपनी कंपनियां भारत में लगाना चाहता है लेकिन भारत सरकार चीन के इंजीनियर को वीजा नहीं दे रही।

भारत में 2020 में जापान के बाद सबसे अधिक साइबर हमले हुए : आईबीएम

नई दिल्ली।

भारत 2020 में एशिया पैसिफिक में जापान के बाद दूसरा ऐसा देश रहा है, जहां उसे सबसे अधिक साइबर हमलों का सामना करना पड़ा है। वर्ष 2020 में क्षेत्र में हुए कुल साइबर हमलों में से भारत में सात प्रतिशत हमले दर्ज किए गए। आईबीएम की बुधवार को आई एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। आईबीएम सिक्योरिटी की ओर से जारी 2021 एक्स-फोर्स थ्रेट इंटेलिजेंस इंडेक्स के अनुसार, वित्त एवं बीमा क्षेत्र में भारत में शीर्ष हमले दर्ज किए गए हैं, जबकि इसके बाद विनिर्माण और पेशेवर सेवाओं में साइबर हमलों की सबसे अधिक घटनाएं सामने आई हैं।

साइबर हमलों के प्रकार की बात करें तो रैनसमवेयर शीर्ष पर रहा, जिससे लगभग 40 प्रतिशत हमले हुए। इसके अलावा, डिजिटल करंसी माइनिंग और सर्वर एक्सेस हमलों ने पिछले साल भारतीय कंपनियों को प्रभावित किया। आईबीएम टेक्नोलॉजी सेल्स, भारत/दक्षिणी एशिया में सिक्योरिटी सॉफ्टवेयर टेक्निकल सेल्स लीडर सुदीप दास ने कहा, हमने साइबर अपराधियों को राहत के प्रयासों और सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी सूचनाओं का उपयोग करते हुए देखा है, क्योंकि वैक्सीन आपूर्ति श्रृंखला के महत्वपूर्ण घटकों पर लक्षित हमलों सहित स्पैम की भी सूचना दी गई है।

यही सभी 2021 में भी मुद्दे बने रहे। उन्होंने कहा, इसलिए, संगठनों को अपनी सुरक्षा रणनीति के लिए एक शून्य-विश्वास दृष्टिकोण (जीरो-ट्रस्ट अप्रोच) के साथ अपने क्लाउड वातावरण को सख्त करने की आवश्यकता है। एक्स-फोर्स थ्रेट इंटेलिजेंस इंडेक्स 130 से अधिक देशों में प्रतिदिन 150 अरब से अधिक सुरक्षा घटनाओं (सिक्योरिटी इवेंट्स) की निगरानी से अंतर्दृष्टि और टिप्पणियों पर आधारित है। रिपोर्ट में पता चला है कि यूरोप ने 2020 में किसी भी अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक साइबर हमलों का अनुभव किया, जिसमें रैंसमवेयर तरीका शीर्ष पर रहा है।

चीन से आयातित खास स्टील पर जारी रहेगी एंटी डंपिंग ड्यूटी? सरकार कर रही जांच

बिजनेस डेस्क:

चीन से आयात होने वाले कुछ सामानों पर भारत में एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाया गया है। अब कॉमर्स मिनिस्ट्री की जांच इकाई डायरेक्टरोट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज (ष्ठत्रञ्जक्र) ने एंटी-डंपिंग ड्यूटी को जारी रखने को लेकर जांच शुरू की है। सरकार द्वारा अधिसूचना के मुताबिक घरेलू उद्योगों द्वारा शिकायत किए जाने पर कुछ खास प्रकार के स्टील प्रॉडक्ट्स पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी को जारी रखने को लेकर जांच चल रही है। आईएसएमटी लिमिटेड और जिंदल शॉ लिमिटेड ने डीजीटीआर के पास चीन से आयात होने वाले सीमलेस ट्यूब्स, पाइप्स, लोहे के हॉलो प्रोफाइल्स और एलॉय या नॉन एलॉय स्टील पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी के सनसेट रिव्यू के लिए याचिका दायर की थी। सनसेट रिव्यू के तहत ये आकलन किया जाता है कि किसी प्रोग्राम या एजेंसी की जरूरत खत्म हो गई या अभी भी है। यह किसी प्रोग्राम या एजेंसी के प्रभावकारी होने और प्रदर्शन का आकलन होता है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाने के बाद भी इन उत्पादों की डंपिंग जारी है। इनके

आयात में बढ़ोतरी हुई है, नोटिफिकेशन में कहा गया है कि घरेलू कंपनियों की ओर से उपलब्ध कराए गए सबूतों के मुताबिक अगर वर्तमान ड्यूटी एक्सपायर होती है तो उसे जारी रखा जाना चाहिए।

16 मई 2021 को एक सपायर होगी एंटी डंपिंग ड्यूटी

एंटी-डंपिंग ड्यूटी को लेकर डीजीटीआर रिव्यू करेगा कि इसे जारी रखा जाना चाहिए या नहीं। चीन से आने वाले इन स टील उत्पादों पर फरवरी 2017 में एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाई गई थी और 16 मई 2021 को एक्सपायर होगी। अगर इस फैसले को आगे नहीं बढ़ाया जाता है तो 16 मई 2021 के बाद चीन से आयात होने वाले इन स टील उत्पादों पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी नहीं लगेगी। यह ड्यूटी फेयर ट्रेड प्रैक्टिसेज सुनिश्चित करने और घरेलू उत्पादकों के हितों को सुरक्षित करने के लिए लगाई गई थी।

ESIC ने महिलाओं के लिए बीमारी लाभ लेने की शर्तों में ढील दी

बिजनेस डेस्क:

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) ने महिलाओं के लिए बीमारी लाभ लेने की शर्तों में ढील दी है। ईएसआईसी ने मंगलवार को बीमारी लाभ लेने के लिए बीमित महिलाओं के अंशदान की शर्तों को उदार करने की घोषणा की। साथ ही ईएसआईसी ने अपनी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत सेवाओं की आपूर्ति में सुधार को और अस्पताल स्थापित करने का फैसला किया है।

केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संतोष कुमार गंगवार की अध्यक्षता में ईएसआईसी की 184वीं बैठक 22 फरवरी को आयोजित की गई। श्रम मंत्रालय ने मंगलवार को बयान में कहा कि इस बैठक में अपने बीमित कर्मचारियों के लाभ के लिए चिकित्सा ढांचे में सुधार को कई उल्लेखनीय फैसले किए गए। इससे सेवा आपूर्ति व्यवस्था में सुधार होगा। इसके तहत ईएसआईसी ने मातृत्व लाभ लेने वाली बीमित महिला के लिए बीमारी लाभ लेने को अंशदान की शर्तों को उदार किया है। पूर्व में ईएसआईसी ने मातृत्व लाभ को 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह किया था। शर्तों में यह छूट 20 जनवरी, 2017 से लागू होगी। उसी दिन से मातृत्व लाभ को बढ़ाने का फैसला भी प्रभावी हुआ था। कुछ मामलों में महिलाएं मातृत्व लाभ लेने के बाद बीमारी लाभ नहीं ले पाती थीं। इसकी वजह यह थी कि वे इसके लिए न्यूनतम 78 दिन के अंशदान की शर्तों को पूरा नहीं कर पाती थीं। अब इन शर्तों को उदार किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

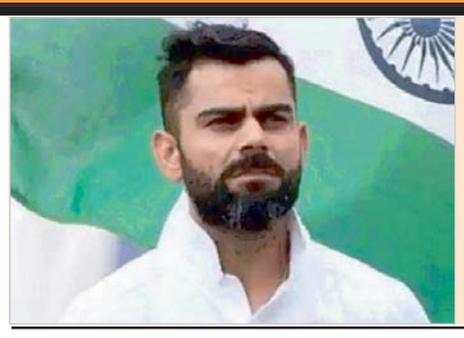

लाइट्स को लेकर चिंतित, खिलाड़ियों को तेजी से ढलना होगा : कोहली

अहमदाबाद . भारतीय कप्तान विराट कोहली ने चिंता जताई कि नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर लाइट्स से दृश्यता पर असर पड़ सकता है और खिलाड़ियों को जल्दी ही खुद को इसके अनुरूप ढालना होगा। दुनिया के इस सबसे बड़े नव सज्जित क्रिकेट स्टेडियम में पारंपरिक फ्लडलाइट नहीं है बल्कि छत के परिमाप में ही एलईडी लाइट्स फिट की गई है। यह दुबई के अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के 'रिंग आफ फायर' की तरह है जिससे फील्डिंग करने वाली टीम को दिक्कत आ सकती है। कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट से पहले टॉस के समय कहा, 'यहां माहौल काफी रोमांचक है। मैं सीटों के रंग से ज्यादा लाइट्स को लेकर चिंतित हूं। उन्होंने कहा, 'ऐसी लाइट्स में गेंद को देखना मुश्किल होता है। इसी तरह के स्टेडियम में हमने दुबई में भी खेला है। इसके अनुरूप जल्दी ढलना होगा।' दुबईमें पिछले साल आईपीएल के दौरान इस तरह की लाइट में कई आसान कैच भी फील्डरों से छूटे थे।

100वां टेस्ट पूरा करने पर राष्ट्रपति ने ईशांत को भेंट की स्पेशल कैप और स्मृति चिन्ह

अहमदाबाद।

अनुभवी भारतीय तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा कपिल देव के बाद 100 टेस्ट मैच खेलने वाले दूसरे भारतीय तेज गेंदबाज बन गए हैं। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने 100वां टेस्ट मैच पूरा करने पर बुधवार को ईशांत को स्पेशल कैप और स्मृति चिन्ह भेंट किया। ईशांत ने इंग्लैंड के साथ मोटेरा स्थित सरदार पटेल स्टेडियम अब नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शुरू हुए तीसरे टेस्ट मैच में मैदान पर उतरते ही यह उपलब्धि हासिल की। यह मैच डे-नाइट हो रहा है। इस स्टेडियम की क्षमता 1 लाख 10 हजार है और यह अब दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम बन चुका है। इसी स्टेडियम में भारत के सर्वकालिक महान टेस्ट गेंदबाज अनिल कुम्बले ने भी अपना 100वां टेस्ट खेला था। साल 2007 में बांग्लादेश के खिलाफ ढाका में अपने टेस्ट करियर का आगाज करने वाले ईशांत ने अब तक कुल 99 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 32.22 की औसत से 302 विकेट चटकाए हैं। उन्होंने घर में 39 टेस्ट मैचों में 103 विकेट जबकि घर से बाहर 60 टेस्ट मैचों में 199 विकेट झटके हैं। घर में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 78 रन पर नौ विकेट और घर से बाहर 108 रन पर 10 विकेट हैं। 32 वर्षीय ईशांत ने अपने 100वें टेस्ट के तीसरे ओवर में डोमिनिक सिब्ले को खाता खोले बिना ही आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। ईशांत ने 100 टेस्ट मैच खेलने की उपलब्धि हासिल करने के बाद मैच शुरू होने से पहले टॉस के बाद कहा, मेरे लिए अभी तक का करियर का अनुभव काफी अच्छा रहा है। मैंने यहां तक पहुंचने के दौरान इसका काफी लुत्फ उठाया और टीम के साथ इसका पूरा आनंद लिया है। ईशांत का भारतीय टीम के साथ यह दूसरा पिंक बॉल टेस्ट है। पहले पिंक बॉल टेस्ट में उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ पांच विकेट लिए थे। उन्होंने कहा, जब हमने बांग्लादेश के खिलाफ अपना पहला पिंक बॉल टेस्ट खेला था, तो उस समय लाल गेंद की तरह ही पिंक बॉल भी स्विंग हो रही थी। हालांकि यह बताना मुश्किल है कि गेंद कितनी स्विंग होगी। विकट देखने के बाद ही आपको पता चलेगा कि इस विकेट पर कौन सी लेंथ सही रहेगी। तेज गेंदबाज ने ओस फैक्टर को लेकर कहा, मुझे लगता है कि अंतिम सत्र में ओस बहुत बड़ी भूमिका निभाएगा। उस समय तेज गेंदबाज लय में आएंगे और फिर यह देखना पड़ेगा कि कौन सी लेंथ सही रहती है। उन्होंने दुनिया के इस सबसे बड़े स्टेडियम के बारे में कहा, यह काफी बड़ा और अच्छा स्टेडियम है। देखकर गर्व महसूस हो रहा है कि आप एक बड़े स्टेडियम में खेल रहे हैं। यहां का वातावरण भी काफी अच्छा है। इससे पहले भारतीय कप्तान विराट कोहली ने भी ईशांत के 100 टेस्ट मैच खेलने पर उनकी सराहना की। कोहली ने कहा, तेज गेंदबाज के लिए 100 टेस्ट खेलना बड़ी उपलब्धि है, विशेषकर हमारे वातावरण में।

विजय हजारे ट्रॉफी : पंजाब ने आंध्र प्रदेश को 7 विकेट से दी शिकस्त

इंदौर।

कप्तान मनदीप सिंह (नाबाद 64) और तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल (4/27) की शानदार गेंदबाजी से पंजाब ने यहां एमेराल्ड हाईस्कूल ग्राउंड में खेले गए विजय हजारे ट्रॉफी के एलीट ग्रुप बी मुकाबले में बुधवार को आंध्र प्रदेश को सात विकेट से शिकस्त दी। आंध्र प्रदेश की पारी टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 48.1 ओवर में 175 रन पर सिमट गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की टीम ने मनदीप के 81 गेंदों पर आठ चौकों के सहारे 64 रनों की पारी के दम पर 36 ओवर में तीन विकेट पर 176 रन बनाकर मैच जीत लिया। पंजाब की तीन मैचों में यह पहली जीत है, जबकि आंध्र प्रदेश की तीन मैचों में यह पहली हार है। आंध्र प्रदेश ग्रुप बी की अंक तालिका में दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। आंध्र प्रदेश की तरफ से नीतीश रेड्डी ने सर्वाधिक 30 रन, करण शिंदे ने 27, क्रांति कुमार ने 25 और विकेटकीपर रिकी भुई ने 21 रन बनाए।

पंजाब की तरफ से कौल के अलावा बरिंदर ने तीन विकेट, मयंक मारकंडे ने दो विकेट और हरप्रीत बरार ने एक विकेट लिया। पंजाब की पारी में अभिषेक शर्मा ने 32, प्रभसिमरन सिंह ने 32 और सनवीर सिंह ने नाबाद 30 रनों का योगदान दिया। आंध्र की तरफ से शोएब मोहम्मद खान ने दो विकेट और हरिशंकर रेड्डी ने एक विकेट लिया।

नए स्टेडियम पर अमित शाह ने दिया बयान, कहा- मोदी जी की दूरदर्शिता के कारण यह संभव

अहमदाबाद । गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि अहमदाबाद को देश की खेल सिटी के रूप में जाना जाएगा जहां सभी खेलों के लिए विश्व स्तरीय सुविधायें तैयार हो रही है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों अहमदाबाद में दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम के उद्घाटन के बाद शाह ने यह बात कही। मोटेरा स्टेडियम का नाम अब देश के प्रधानमंत्री के नाम पर नरेंद्र मोदी स्टेडियम रखा गया है। शाह ने कहा कि इस तरह की खेल सुविधायें एक ही शहर में इस समय कहीं नहीं है। अहमदाबाद को मोदीजी ने देश की 'हेरिटेज सिटी' बनाया और अब यह देश की खेल सिटी बनने को तैयार है। अहमदाबाद भारत की खेल सिटी के रूप में जाना जाएगा। नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम के अलावा सरदार वल्लभ भाई पटेल खेल परिसर और नारनपुरा में एक खेल परिसर बन रहा है। शाह ने कहा कि खेल परिसर में ओलंपिक खेलों के लिये स्टेडियम होंगे। गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर प्रधानमंत्री मोदी जी की दूरदर्शिता के कारण ही यह संभव हो सका।

आईएसएल-7

विजयी समापन करने उतरेंगे जमशेदपुर, बेंगलुरू

गोवा।

हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में प्लेआफ की दौड़ से बाहर हो चुकी जमशेदपुर एफसी और बेंगलुरू एफसी गुरुवार को वॉस्को के तिलक मैदान स्टेडियम में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। दोनों टीमों का इस सीजन में यह अंतिम मुकाबला होगा, जहां वे जीत के साथ सीजन की समाप्ति करना चाहेंगे। कोच ओवेन कॉयले की टीम जमशेदपुर अपने प्रतिद्वंद्वी बेंगलुरू से दो स्थान ऊपर तालिका में छठे नंबर पर है। एक ड्रॉ के साथ भी जमशेदपुर छठे स्थान पर रहकर सीजन की समाप्ति कर सकती है। इस सीजन के पिछले मुकाबले में जब दोनों टीमें भिड़ी थीं, तो जमशेदपुर एफसी ने स्टीफन एजे के गोल से बेंगलुरू को हराया था। जमशेदपुर ने अपने पिछले मैच में भी मुम्बई सिटी एफसी को 2-0 से हराया है। कॉयले ने कहा, हम उसी प्रदर्शन को दोहराना चाहते हैं, जो हमने मुम्बई सिटी के खिलाफ किया था। हम प्लेऑफ के बहुत करीब आ गए थे, लेकिन अब हम मजबूती के साथ इस सीजन का समापन करना चाहते हैं। ऐसा करने के लिए, हमें बहुत अच्छा खेलना होगा और तीन अंक जीतने की कोशिश करनी होगी। बेंगलुरु के पास अभी भी एएफसी (कप) में खेलने का मौका है, इसलिए हमें इस चुनौती के लिए तैयार रहना होगा। बेंगलुरू पहली बार आईएसएल के प्लेआफ में पहुंचने में विफल रही है। अंतरिम कोच नौशाद मूसा को इस बात पर गर्व है कि उनकी टीम आखिर तक लड़ी। उन्होंने कहा, हमारे प्रदर्शन में निरंतरता नहीं थी, लेकिन हम हमेशा सकारात्मक थे। यह देखने की कोशिश कर रहे थे कि क्या हम इसमें (प्लेऑफ में) जगह बना सकते हैं। हम हमेशा जीतना चाहते थे, क्योंकि कोई भी यह स्वीकार नहीं करना चाहता था कि हम बेस्ट नहीं हैं। हम हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे थे। बेंगलुरू के लिए बिस्वा डर्जी और आशिक कुरुनियन जबकि जमशेदपुर के लिए नेरिजुस व्लास्किस इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। इस सीजन में आठ युवाओं को मैदान पर उतार चुके मूसा ने कहा कि वे लीग के अंतिम मैच में भी उन्हें मौका देंगे। उन्होंने कहा, हम एक अच्छी टीम और एक कोच की भूमिका निभा रहे हैं, जो बहुत अनुभवी है। यह महत्वपूर्ण है कि हमारे पास एक संतुलित टीम है लेकिन हां, हमारे पास इस मैच के लिए अधिक खिलाड़ी युवा होंगे।

संक्षिप्त समाचार

जी साथियान ने 9 बार के चैम्पियन को हराकर राष्ट्रीय टेबल टेनिस खिताब जीता

पंचकूला । जी साथियान ने मंगलवार को यहां 82वीं राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप के फाइनल में 9 बार के चैंपियन शरत कमल को 4-2 से हराकर राष्ट्रीय खिताब का अपना लंबा इंतजार खत्म किया। साथियान को कुछ साल पहले कटक में फाइनल में शरत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था लेकिन इस बार उन्होंने दुनिया के 32वें नंबर के खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया और 11-6, 11-7, 10-12, 7-11, 11-8, 11-8 से जीत दर्ज की। साथियान को खिताबी जीत के लिए 2 लाख 50 हजार रुपए की इनामी राशि मिली। उन्होंने खिताब जीतने के बाद कहा, 'तीसरी बार में मैं भाग्यशाली रहा। मेरे कंधे से बड़ा बोझ उतर गया।' शरत ने कहा, 'यह अच्छा मुकाबला था और वह जीत का हकदार था।' शरत ने हार के लिए पांचवें गेम में एकाग्रता गंवाने को जिम्मेदार ठहराया जबकि वह 8-6 से आगे चल रहे थे। उन्होंने कहा, 'उस समय 2 बड़ी गलतियों का खामियाजा मुझे भुगतना पड़ा। लेकिन साथियान ने तीसरे गेम में मुझे वापसी का मौका दिया। यह खेल का हिस्सा है। मुझे उसके लिए खुशी है।% इससे पहले शरत ने सेमीफाइनल में मानव ठक्कर को 11-8, 5-11, 14-12, 11-9, 9-11, 17-15 से हराया जबकि साथियान ने एसएफआर स्नेहित को 13-11, 11-5, 11-9, 11-5 से शिकस्त दी।

लंबी सर्जरी के बाद होश में आए टाइगर वुड्स, हालत बेहतर

न्यूयार्क। अमेरिका के स्टार गोल्फ खिलाड़ी टाइगर वुड्स के लॉस एंजेलिस में एक कार दुर्घटना में बुरी तरह घायल होने के बाद उनके दाएं पैर की सर्जरी की गई है। सर्जरी के बाद वुड्स को होश आ गया है और उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। कैलिफोर्निया के हार्बर यूसीएलए मेडिकल सेंटर ने बुधवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। वुड्स मंगलवार को एक कार दुर्घटना में घायल हुए थे और उनकी देर रात तक सर्जरी चली। उन्हें पैरों में कई जगह गंभीर चोटें आई हैं। हार्बर यूसीएलए मेडिकल सेंटर के मुख्य मेडिकल अधिकारी और अंतिरम सीईओ अनीश महाजन ने बयान जारी कर कहा, वुड्स को दाएं पैर के निचले हिस्से में काफी चोटें आई हैं और उनकी ट्रॉमा विशेषज्ञ ने सर्जरी की है। उन्होंने कहा, वुड्स को हुए फ्रैकचर ने उनकी टिबिआ और फाइबुला हड्डियों के ऊपरी और निचले हिस्से पर असर डाला है। सर्जरी के दौरान उनके टिबिया में एक रॉड डालकर उसे स्थिर किया गया है। वुड्स के एक करीबी ने बयान जारी कर बताया कि उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। लॉस एंजेलिस शेरिफ के डिप्टी कार्लोस गोंजालेज ने कहा, मैं कहूंगा कि यह बहुत अच्छी बात रही कि मिस्टर वुड्स इससे जिंदा बाहर निकल आए। इससे पहले लॉस एंजेलिस काउंटी के अधिकारियों ने कहा कि 45 वर्षीय वुड्स होश में थे और बात करने में सक्षम थे जब दुर्घटना के बाद पहला व्यक्ति सुबह 7.18 बजे घटनास्थल पर पहुंचा।गोंजालेज ने कहा, टाइगर मुझसे बात करने में सक्षम थे। वुड्स अविश्वसनीय रूप से शांत दिखाई दिए, क्योंकि वह सदमे में थे।

आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप - सिंधु की राह आसान, साइना को कठिन ड्रॉ

नई दिल्ली ।

मौजूदा विश्व चैम्पियन पी वी सिंधु को प्रतिष्ठित आल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप में आसान ड्रॉ मिला है जबकि साइना नेहवाल को कठिन प्रतिद्वंद्वियों से भिड़ना पड़ेगा। टूर्नामेंट 17 से 21 मार्च के बीच बर्मिंघम में खेला जाएगा। स्विस ओपन के बाद आल इंग्लैंड ओपन 2021 इस साल का दूसरा टूर्नामेंट होगा जिसमें तोक्यो ओलंपिक क्वालीफिकेशन के लिए रैंकिंग अंग मिलेंगे। बैडमिंटन विश्व महासंघ द्वारा मंगलवार को जारी ड्रॉ के अनुसार ओलंपिक रजत पदक विजेता सिंधु पहले दौर में मलेशिया की सोनिया चिया से खेलेगी। शुरूआती दौर के मुकाबले जीतने पर क्वार्टर फाइनल में उसका सामना जापान की अकाने यामागुची और सेमीफाइनल में स्पेन की कैरोलिना मारिन से हो सकता है। मारिन को टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता मिली है जबकि सिंधु को पांचवीं वरीयता दी गई है। लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना को पहले दौर में डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट से खेलना है। राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पारूपल्ली कश्यप को पहले ही मैच में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी जापान के केंतो मोमोता का सामना करना है। किदाम्बी श्रीकांत पहले दौर में इंडोनेशिया के टॉमी सुगिआर्तो से खेलेंगे जबकि विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता बी साइ प्रणीत फ्रांस के टोमा जूनियर पोपोव का सामना करेंगे। भारतीय खिलाड़ी तीन मार्च से शुरू हो रहे स्विस ओपन में भी भाग लेंगे। साइना और श्रीकांत को तोक्यो ओलंपिक में जगह बनाने के लिए और समय मिलेगा क्योंकि बीडब्ल्यूएफ ने क्वालीफिकेशन की अवधि बढ़ा दी है।

भारत अगले महीने घुड़सवारी विश्व कप क्वालीफायर की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली ।

भारत घुड़सवारी टेंट पेंगिंग टूर्नामेंट के लिये 11 से 14 मार्च तक ग्रेटर नोएडा में विश्व कप क्वालीफायर की मेजबानी करेगा। बुधवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार टूर्नामेंट का आयोजन भारतीय घुड़सवारी महासंघ और इक्विविंग्स स्पोर्ट्स द्वारा संयुक्त रूप मिलकर किया जायेगा जो देश में इस खेल के आयोजन की निजी फर्म है। मेजबान भारत सहित सात देशों के इस टूर्नामेंट में भाग लेने की उम्मीद है जिसमें रूस, अमेरिका, बेलारूस, पाकिस्तान, सूडान और बहरीन शामिल हैं। इन 7 टीमों में से शीर्ष दो टीमें विश्व कप के लिये क्वालीफाई करेंगी जो दक्षिण अफ्रीका में 2023 में होना है। विश्व कप क्वालीफायर 'द पेंटा ग्रांड 2021% का हिस्सा होगा जिसमें राष्ट्रीय घुड़सवारी टेंट पेगिंग चैम्पियनशिप, द हाफ मिलियन कप और तीन से 14 मार्च तक ग्रेटर नोएडा के गौतम बुद्ध यूनिवर्सिटी स्पोर्ट्स स्टेडियम में होने वाला 'नोएडा होर्स शो% भी शामिल है। टेंट पेगिंग को 1982 में एशिया ओलंपिक परिषद ने अधिकारिक खेल के तौर पर शामिल किया था।

न्यूजीलैंड महिला टीम की तेज गेंदबाज ताहुहु चोट के कारण वनडे सीरीज से बाहर

क्राइस्टचच. न्यूजीलैंड महिला टीम की तेज गेंदबाज लिआ ताहुहु चोटिल होने के कारण इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गई हैं। ताहुहु को इंग्लैंड महिला टीम के खिलाफ मंगलवार को खेले गए पहले वनडे मैच के दौरान चोट लगी थी। न्यूजीलैंड महिला टीम के कोच बोब कार्टर ने कहा, 'ताहुहु के चोटिल होने की खबर दुखद है और उनका सीरीज से बाहर होना टीम के लिए झटका है। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं।' ताहुहु की जगह 22 वर्षीय अनकैप्ड तेज गेंदबाज गैबी सुलिवान को वनडे टीम में शामिल किया गया है। न्यूजीलैंड को इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे मुकाबले में आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इसके साथ ही यह न्यूजीलैंड महिला टीम की लगातार 10वीं वनडे हार है।

विजय हजारे ट्रॉफी : बड़ौदा की लगातार तीसरी जीत, हैदराबाद को 110 रन से हराया

सूरत ।

बड़ौदा ने केदार देवधर के शतक और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत बुधवार को एलीट ग्रुप ए मैच में हैदराबाद को 110 रन से हराकर विजय हजारे ट्राफी में जीत की लय जारी रखी। यह बड़ौदा की लगातार तीसरी जीत है, इससे पहले उसने गोवा और त्रिपुरा को शिकस्त दी थी। लालभाई कांट्रेक्टर स्टेडियम में बल्लेबाजी का न्यौता मिलने के बाद बड़ौदा ने देवधर की स्ट्रोक्स से भरी 131 रन की शानदार पारी से सात विकेट पर 316 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। इसके बाद उसने बाबाशफी पठान (37 रन देकर तीन विकेट) और अन्य गेंदबाजों की मदद से हैदराबाद को 206 रन पर समेट दिया। देवधर ने हैदराबाद के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाते हुए 139 गेंद की पारी के दौरान 14 चौके और दो छक्के जमाए। उन्होंने और स्मित पटेल (35) ने पहले विकेट के लिए 79 रन जोड़े। पटेल को अजय देव गौड़ ने अपना शिकार बनाया। फिर फार्म में चल रहे विष्णु सोलंकी (15) भी सस्ते में पवेलियन लौट गये। फिर देवधर को कृणाल पंड्या (50 गेंद में 55 रन, सात चौके और एक छक्का) के रूप में अच्छा साझीदार मिला, दोनों ने तीसरे विकेट के लिये 98 रन जोड़े। हैदराबाद ने फिर कृणाल और निनाद रठवा को लगातार आउट कर दिया। अभिमन्यु सिंह राजपूत (20) और कार्तिक ककडे (22) ने देवधर के साथ उपयोगी योगदान दिये। अंत में अतीत सेठ ने सात गेंद में नाबाद 16 रन बनाकर बड़ौदा को 300 रन से पार पहुंचाया। हैदराबाद के लिए गौड़ और सीवी मिलिंद ने दो दो विकेट चटकाए। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी हैदराबाद को सलामी बल्लेबाज तन्मय अग्रवाल (34) और तिलक वर्मा (47) ने 75 रन जोड़कर अच्छी शुरूआत कराई। लेकिन मध्यक्रम के चरमराने से उसकी उम्मीदें टूट गयीं जिससे एक समय उसका स्कोर छह विकेट पर 143 रन हो गया और टीम 202 रन पर सिमट गई। वहीं ग्रुप के अन्य मैचों में गुजरात ने त्रिपुरा को 132 रन से और छत्तीसगढ़ ने गोवा को आठ विकेट से शिकस्त दी। गुजरात ने हेत पटेल (114) के शतक और ध्रुव रावल (83) के अर्धशतक से सात विकेट पर 336 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके बाद उसने गेंदबाजों की मदद से

त्रिपुरा को 204 रन ही बनाने दिए। हार्दिक पटेल ने 25 रन देकर तीन विकेट और रिपल पटेल ने 26 रन देकर दो विकेट चटकाए। गोवा की टीम ने दर्शन मिसाल (56 रन) के अर्धशतक से 210 रन का स्कोर बनाया जिसे छत्तीसगढ़ ने दो विकेट पर 213 रन बनाकर आठ विकेट से जीत दर्ज की। छत्तीसगढ़ के लिए ऋषभ तिवारी ने नाबाद 9 और हरप्रीत सिंह भाटिया ने 56 रन बनाए।

सचिन ने 100वें टेस्ट पर की इशांत की तारीफ, कहा- आप पर गर्व है

अहमदाबाद : महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने बुधवार को इशांत शर्मा की उनके 100वें टेस्ट से पहले प्रशंसा की और कहा कि खेल के सबसे चुनौतीपूर्ण प्रारूप में इतने सारे मैच खेलना किसी भी क्रिकेटर और सबसे ज्यादा एक तेज गेंदबाज के लिये शानदार उपलब्धि है। इशांत (32 वर्ष) कपिल देव के बाद 100 टेस्ट मैच में खेलने वाले दूसरे भारतीय तेज गेंदबाज हैं। तेंदुलकर ने ट्वीट किया कि 100 टेस्ट मैच खेलना किसी भी क्रिकेटर के लिये शानदार उपलब्धि है, विशेषकर एक तेज गेंदबाज के लिए। अंडर-19 के दिनों से आपको खेलते देखा है और आपके पहले टेस्ट में आपके साथ खेला था। टीम इंडिया के लिए आपकी सेवाओं के लिए आप पर गर्व है। मास्टर ब्लेबाज ने लिखा कि सर्वश्रेष्ठ संभव तरीके से सेवा जारी रखिए। आपको इस उपलब्धि के लिये बधाई। चेन्नई में इस महीने के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफपहले टेस्ट के दौरान इशांत टेस्ट क्रिकेट में 300 विकेट चटकाने वाले छठे भारतीय और देश के तीसरे तेज गेंदबाज बन गए थे जिसमें वह महान पूर्व कप्तान कपिल देव और अनिल कुंबले के साथ शामिल हो गए।पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज आशीष नेहरा ने कहा कि किसी भारतीय तेज गेंदबाज के लिए ही नहीं बल्कि किसी भी तेज गेंदबाज का 100 टेस्ट मैच खेलना बड़ी उपलब्धि है। जब लोग इशांत शर्मा की लेंथ के बारे में बात करते थे तो उन्होंने अपनी लेंथ में बदलाव किया जो टेस्ट क्रिकेट में काफी महत्वपूर्ण है। इशांत ने 11 बार पांच विकेट चटकाए हैं और एक मैच में एक बार 10 विकेट झटके थे। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को फेंके गए उनके स्पैल के बारे में अब भी भारतीय क्रिकेट जगत चर्चा की जाती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिशा पाटनी का जिमनैस्टिक अवतार देख हैरान रह गए टाइगर श्रॉफ

दिशा पाटनी और टाइगर श्रॉफ की फिटनेस के प्रति दीवानगी जगजाहिर है। दोनों सोशल मीडिया पर वर्कआउट करते हुए वीडियो शेयर करते रहते हैं। अब दिशा ने अपना एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उनका जिमनैस्टिक अवतार नजर आ रहा है। दिशा के इस कारनामे को देखकर टाइगर श्रॉफ भी हैरान हो गए। दिशा ने अपने इस वीडियो को इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, जिसमें वह बैकफ्लिप मारते हुए नजर आ रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, '#wuiiiii' टाइगर श्रॉफ ने इस वीडियो पर कॉमेंट करते हुए लिखा, 'Woahhh काश मैं भी ऐसा कर सकता।' सुजैन खान ने लिखा, 'आप दोनों लाजवाब हो।' कोरियोग्राफर रजित देव ने लिखा, 'सुपर गर्ल।' कोरियोग्राफर राहुल शेट्टी ने कॉमेंट किया, 'खतम।' एक फैन ने कॉमेंट किया, 'लेडी लव टाइगर।' वहीं, दूसरे फैन ने लिखा, 'आप अविश्वसनीय हैं।' हाल ही में टाइगर श्रॉफ ने एक फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की। फोटो में टाइगर श्रॉफ की फिटनेस और स्वैग साफ नजर आ रहा है। वहीं उनके ट्रॉपिकल प्रिंट्स वाले गुलाबी शॉर्ट्स भी फैंस को काफी पसंद आ रहे हैं। इस फोटो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए टाइगर ने कैप्शन में लिखा, 'क्यूट शॉर्ट्स ब्रो....'। बता दें कि दिशा और टाइगर साथ में पहली बार वीडियो सॉन्ग बेफिक्रे में नजर आए थे। वहीं दिशा और टाइगर फिल्म बागी 2 में भी साथ काम कर चुके हैं। दोनों एक-दूसरे को हमेशा अच्छा दोस्त बताते हैं, हालांकि फैन्स का कुछ और ही मानना है। फैन्स को मुताबिक दोनों एक-दूसरे को काफी पसंद करते हैं और उन्हें शादी भी कर लेनी चाहिए। गौरतलब है कि दिशा पाटनी जल्दी ही सलमान खान के साथ फिल्म राधे- योर मोस्ट वांटेड भाई में नजर आएंगी। इसके साथ ही उनके खाते में एक विलेन 2 भी है। वहीं, दूसरी ओर टाइगर श्रॉफ के पास 'बागी 4', 'हीरोपंती 2', 'गणपत' और रेम्बो की रीमेक कतार में हैं।

देवोलीना भट्टाचार्जी ने की शादी और ब्वॉयफ्रेंड को लेकर खुलकर बात

टीवी रिएलिटी शो 'बिग बॉस 14' कंटेस्टेंट देवोलीना भट्टाचार्जी तभी से सुर्खियों में हैं, जबसे उन्होंने शो में शादी और ब्वॉयफ्रेंड को लेकर खुलासा किया है। फैन्स सरप्राइज्ड तब हुए जब न्यूज सामने आई कि देवोलीना इसी साल शादी के बंधन में बंधने की प्लानिंग कर रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान देवोलीना भट्टाचार्जी ने इस पर खुलकर बात की। बॉलीवुड लाइफ संग बातचीत में देवोलीना भट्टाचार्जी ने कहा, 'मुझे समझ नहीं आता कि कौन यह खबरें फैला रहा है। हां, शादी मुझे करनी है और इसे लेकर मैं लंबे समय से प्लानिंग कर रही हूं, लेकिन इस साल शादी मैं नहीं कर रही हूं। शादी 2022 में करूंगी। मुझे लगता है कि शादी किस्मत का खेल है। रस्में होंगी जब भगवान चाहेंगे।' लड़के के बारे में जब देवोलीना भट्टाचार्जी से बताने के लिए कहा तो उन्होंने कहा कि मेरा ब्वॉयफ्रेंड एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से ताल्लुक नहीं रखता है। वह बहुत ही साधारण इंसान है, जिसके जीवन एकदम संभला हुआ है। मैं भी एक साधारण लड़की हूं जो आम जिदंगी जीना पसंद करती है। बता दें कि बिग बॉस में पारस छाबड़ा, देवोलीना के सपोर्टर बनकर शो में पहुंचे थे, लेकिन देवोलीना को पारस में सपोर्टर नजर नहीं आया। वहीं, अब जब देवोलीना 'बिग बॉस 14' हाउस से हुईं तो शो से एजाज़ खान का पत्ता भी साफ हो गया था।

कंगना रनौट ने पूरा किया धाकड़ का भोपाल शेड्यूल नए वेंचर को लेकर कही यह बात

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौट इन दिनों अपनी फिल्म 'धाकड़' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। कंगना ने इस फिल्म का भोपाल शेड्यूल पूरा कर लिया है। कंगना ने अपनी फिल्म का शेड्यूल पूरा होने कि खबर को सोशल मीडिया शेयर किया है। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने अपने नए वेंचर को लेकर भी संकेत दिए हैं। कंगना ने ट्वीट करते हुए लिखा. 'शेड्यूल रैप अलर्ट३.सबसे अद्भुत लोग, चीफ राजी और मेरे प्यारे दोस्त सोहेल को धन्यवाद, मेरे जीवन की सबसे अद्भुत टीम। धाकड़ कुछ शानदार होने वाली है। अब दूसरे मिशन की ओर बढ़ रही हूं। नया वेंचर आ रहा है।' कंगना रनौट हाल ही में अपनी फिल्म धाकड़ के सेट से अपनी एक तस्वीर शेयर की थी। जिसमें एक्ट्रेस एक्शन से भरपूर अंदाज में नजर आ रही थीं। इस फिल्म में एट्रेस के साथ अर्जुन रामपाल भी नजर आने वाले हैं। वह फिल्म में रुद्रवीर की भूमिका में हैं। धाकड़ को सोहेल मकलाई प्रोड्यूस कर रहे हैं। रजनीश राजी घई के निर्देशन में बनी फिल्म 'धाकड़' 1 अक्टूबर को रिलीज होने वाली है। धाकड़ एक स्पाई-एक्शन फिल्म है, जिसमें कंगना रनौट एक स्पेशल एजेंट अग्नि के रोल में दिखेंगी।

दीपिका पादुकोण बनीं दुनिया के सबसे बड़े आइकोनिक ब्रांड की ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर

दीपिका पादुकोण द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन के साथ, उनका एक फैशन ब्रांड लेबल के लिए ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर बनना कोई आश्चर्य की बात नहीं है जो कई सालों से मार्केट में अपनी जगह बनाए हुए है। यह लोकप्रिय फैशन ब्रांड महिलाओं के लिए परफ़ेक्ट जीन्स बनाने के लिए प्रसिद्ध है और दीपिका भी अपने फैशन स्टेटमेंट के लिए जानी जाती हैं। यह साझेदारी महिला उपभोक्ताओं की नई पीढ़ियों को डेनिम्स के नाम पर क्वालिटी और कम्फर्ट के साथ आकर्षित करेगी। दीपिका पादुकोण ने साझा किया, ऑथेंसिटी, ओरिजनालिटी और ऑनेस्टी वे मूल्य हैं जिनके आधार पर ब्रांड बनाए जाते हैं और ये ऐसे मूल्य हैं जिनका मैं पालन करती हूं। दीपिका ने कहा, जिन्हें नहीं पता, उन्हें बता दूं कि मैं हमेशा से जींस और टी-शर्ट पहनने वाली लड़की रही हूं। सही जीन्स से केवल मुझे आरामदायक महसूस होता है, बल्कि आत्मविश्वास आता है। दीपिका ने यह भी व्यक्त किया कि कैसे वह दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित ब्रांड में से एक के साथ जुड़ कर सम्मानित और प्रसन्न महसूस कर रही हैं। फैशन ब्रांड के मैनेजिंग डायरेक्टर ने साझा किया, हम पूरी तरह से रोमांचित हैं। दीपिका का व्यक्तित्व बोल्ड, ऑथेंटिक, ट्रू और अनकॉम्प्रोमिसिंग है जो हमारे ब्रांड मूल्यों के साथ पूरी तरह से फिट बैठता है। वह न केवल एक स्टाइल आइकन है, बल्कि विश्व स्तर पर युवा और महिलाएं के लिए एक प्रेरणा भी है। उनके साथ, हम ब्रांड को अधिक मजबूत करने के लिए आश्वस्त हैं, खासकर जब हम महिला वर्ग का नेतृत्व करने पर जोर दे रहे हैं। अभिनेत्री अपने फैशनेबल ए गेम के साथ इस सहयोग को एक कदम आगे ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि दीपिका पादुकोण उद्योग में एक प्रसिद्ध और लोकप्रिय चेहरा है। उनके प्रशंसक उन्हें अपना आइडियल मानते है और उनके फैशन सेंस से प्रेरित महसूस करते हैं। यही वजह है कि अभिनेत्री ने इन वर्षों में कई प्रतिष्ठित ब्रांड्स को एंडोर्स किया है।

अभय देओल के साथ फ़िर से काम करने पर इमोशनल हुईं माही गिल

फिल्म 'देव डी' करने के 12 साल बाद अभय देओल के साथ फिर से काम करके माही गिल खासी इमोशनल हो गईं हैं। वे युद्ध पर आधारित अपनी आगामी वेब सीरीज '1962 : द वार इन द हिल्स' में देओल के साथ नजर आएंगी। इस सीरीज में अभय देओल आर्मी ऑफिसर मेजर सूरज सिंह की भूमिका में हैं और माही उनकी पत्नी शगुन के रोल में हैं। माही ने कहा, 'मैं हमेशा से उनके साथ काम करना चाहती थी लेकिन दुर्भाग्य से कई साल तक ऐसा संभव नहीं हो पाया। अभय देओल मेरे पहले हीरो हैं और बहुत ही प्रतिभाशाली अभिनेता हैं। मुझे जैसे ही पता चला कि वह मेजर सूरज सिंह का किरदार निभा रहे हैं, मैं बहुत इमोशनल हो गई थी। मैं फिर से उनके साथ काम करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। उनके साथ काम करना शानदार अनुभव रहा है। हम लोगों में बहुत अच्छी अंडरस्टैंडिंग है। वह हमेशा अपने को-एक्टर्स को भी सहज महसूस कराते हैं।' महेश मांजरेकर के निर्देशन में काम करने को लेकर माही ने कहा, 'शगुन का किरदार मेरे लिए एक बहुत बड़ी यात्रा रही है। वह बहुत बहादुर है, लेकिन वह जानती है कि आर्मी लाइफ आसान नहीं है। उसके पति मेजर सुरेंद्र सिंह पहले एक सैनिक हैं और बाद में उसके पति हैं। वह अपनी जिंदगी में आए दुख-तकलीफों से बहादुरी से लड़ती है।' माही कहती हैं, 'यह किरदार मेरे दिल के बहुत करीब है योंकि मेरे दादाजी सेना में थे। मेरे बहुत सारे दोस्त भी सेना में हैं। उनकी जिंदगी, हिम्मत और माइंडसेट को करीब से जानने के कारण मुझे यह किरदार निभाने में मदद मिली।'' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कई प्रोजेक्ट में शामिल माही का कहना है कि इसमें बॉस ऑफिस का दबाव नहीं है। वह कहती हैं, 'इसमें स्ट्रेस नहीं है। मैंने हमेशा कहा है कि ओटीटी भविष्य है। मैं बड़े पर्दे को याद नहीं करती हूं, हालांकि मैं बड़े पर्दे पर फिल्में देखते हुए बड़ी हुईं हूं और मेरी पहली फिल्म भी बड़े पर्दे पर ही रिलीज हुई थी। लेकिन ओटीटी ने बहुत से लोगों को काम दिया है, इसमें अभिनेता और तकनीशियन भी शामिल हैं। साथ ही इसमें बहुत शानदार स्क्रिप्ट पर काम हो रहा है और ज्यादा दर्शकों तक पहुंच रहा है।'

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कृष्ण जन्मभूमि मथुरा है बेहद खास

इन प्रसिद्ध जगहों पर जरूर जाएं एक बार!

भगवान कृष्ण की नगरी कहलाई जाने वाला धार्मिक स्थल मथुरा दुनियाभर में पर्यटकों के बीच प्रसिद्ध है। यहां भगवान कृष्ण के दर्शन करने के लिए विश्वभर से पर्यटक आते हैं। ये स्थल भगवान श्री कृष्ण जन्मभूमि से भी जाना जाता है। विशेषतौर होली मानाने के लिए यहां दूर-दूर से लोग आया करते हैं। यहां कृष्ण मंदिर के अलावा कई अन्य जगह भी हैं जहां आप घूमने के लिए जा सकते हैं। मथुरा से करीब 56 किलोमीटर की दूरी पर आगरा है। आप चाहें तो मथुरा के साथ-साथ आगरा भी घूमने जा सकते हैं। वहीं, अगर आप मथुरा घूमने का प्लान बना रहे हैं तो आज हम आपको जिन प्रमुख जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं वहां आप घूमने जा सकते हैं। आइए आपको मथुरा के कुछ प्रमुख स्थानों के बारे में बताते हैं...

कृष्ण जन्मभूमि

अगर आप मथुरा जा रहे हैं तो सबसे पहले कृष्ण जन्मभूमि मंदिर ही जाएं। कृष्ण जन्मभूमि से ही आपको ये साफ हो गया होगा कि ये कृष्ण भगवान का जन्म स्थान है। बता दें कि इस मंदिर को उसी कारागार के बाहर बनाया गया है जहां भगवान कृष्ण ने जन्म लिया था। कहते हैं कि यहां कृष्ण भगवान की शुद्ध सोने से बनी 4 मीटर की मूर्ति थी, जिसको महमूद गजनवी द्वारा चुरा लिया गया था।

बांके बिहारी मंदिर

मथुरा के सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक बांके बिहारी मंदिर है। ये राधा वल्लभ मंदिर के पास स्थित है। बता दें कि भगवान कृष्णा का दूसरा नाम बांके बिहारी भी है। इस मंदिर में बांके बिहारी की मूर्ति काले रंग की होती है। इस मंदिर में पहुंचने के लिए आपको संकरी गलियों से जाना पड़ेगा।

द्वारकाधीश मंदिर

अगर आप भगवान कृष्ण से संबंधित घटनाएं कलाकृतियां देखना चाहते हैं तो द्वारकाधीश मंदिर जा सकते हैं। ये मंदिर विश्राम घाट के निकट स्थित है। इसका निर्माण साल 1814 में किया गया था। इस मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ लगी रहती है, खासतौर पर जन्माष्टमी में यहां ज्यादा भीड़ देखने को मिलती है।

मथुरा संग्रहालय

मंदिर के दर्शन करने के अलावा आप म्यूजियम भी देखने जा सकते हैं। साल 1974 में मथुरा संग्रहालय का निर्माण किया गया था। इस संग्रहालय का पहले नाम 卐कर्जन म्यूजियम ऑफ आर्कियोलॉजी卐 था। यहां आप कुषाण और गुप्त वंश से संबंधित कई कलाकृतियां देख सकते हैं। यहां अनोखी वास्तुकला और कई कलाकृतियों हैं, इसका चित्र भारत सरकार के स्टैंप पर भी छापा गया है।

कुसुम सरोवर

मथुरा के प्रमुख स्थानों में से एक कुसुम सरोवर है। ये लगभग 60 फीट गहरा और 450 फीट लंबा है। इस सरोवर का नाम राधा के नाम पर रखा गया है। कहते हैं कि यहां भगवान कृष्ण और राधा मिलने के लिए आया करते थे। कुसुम सरोवर में कई लोग नहाने भी आते हैं, यहां का पानी शांत और साफ-सुथरा है। यहां पर होने वाली शाम की आरती यहां का मुख्य आकर्षण केंद्र, कई पर्यटक इस दृष्य को अपने कैमरे में भी कैद करते हैं।

गोवर्धन पर्वत

अगर आप मथुरा घूमने आए हैं तो गोवर्धन पर्वत के दर्शन करने भी जरूर जाएं। इसका हिन्दू पौराणिक साहित्य में बेहद खास महत्व है। पौराणिक ग्रंथो के अनुसार भगवान कृष्ण ने अपनी एक छोटी उंगली से इस पर्वत को उठा लिया था। इस पर्वत का दर्शन करने वाले लोग इसके चक्कर जरूर लगाते हैं। मान्यता है कि ऐसा करना अच्छा होता है और भगवान कृष्ण की खास कृपा होती है।

कंस किला

जयपुर के महाराजा मानसिंह द्वारा कंस किले का निर्माण किया गया था। अकबर के नवरत्नों में मानसिंह शामिल थे। हिन्दू और मुगल वास्तुकला के मिश्रण का अच्छा नमूना ये मंदिर यमुना नदी के किनारे स्थित है।

10 साल पहले नक्सलियों का गढ़ था त्रिपुरा का बंश ग्राम, आज है पर्यटकों का पसंदीदा स्थल

त्रिपुरा भारत के सभी पूर्वोत्तर राज्यों में एक सांस्कृतिक रूप से समृद्ध राज्य है। विरासत और ऐतिहासिक स्थल, सैकड़ों साल पुराने मंदिर, वन्यजीव स्थल और एक संपन्न कला और शिल्प उद्योग, त्रिपुरा का आकर्षण हैं। एक समय में त्रिपुरा में कुछ ऐसी घटनाएं हुई जिसकी वजह से इस राज्य की छवि पर असर पड़ा लेकिन अब हालत पूरी तरह से बदल चुके हैं। त्रिपुरा पर्यटकों के लिए एक बेहतरीन पसंद बनता जा रहा है। पिछले कुछ सालों में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई हैं। त्रिपुरा भारत के उन यात्रा स्थलों में से एक है जो परिवारों, दोस्तों, कपल और सोलो यात्रियों को आकर्षित करता हैं। वैसे तो त्रिपुरा में घूमने के लिए कई बेहतरीन हॉटस्पॉट है लेकिन आजकल एक खास स्थल की लोकप्रियता काफी बढ़ गयी है। इस खूबसूरत जगह का नाम है बंश ग्राम। त्रिपुरा के कटमारा गांव की सीमा के तहत अगरतला से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित, बंश ग्राम त्रिपुरा में सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में से एक है। यहां पर आप देख सकते हैं कि भारी संख्या में पर्यटकों का जमावड़ा है। इस जगह के बारे में अभी ज्यादा जानकारी गूगल पर उपलब्ध नहीं है लेकिन जो लोग वहां जा चुके हैं उन्होंने इस जगह की काफी तरीफें की है। बंश ग्राम में आप नैचुरल खूबसूरती देख सकते है। घनें जंगल, शुद्ध हवा, झीलों से घिरे बंश ग्राम में पर्यटकों के लिए काफी अच्छी व्यवस्था है। आज से दस साल पहले बंश ग्राम में एक ऐसा हादसा हुआ था जिसके बाद इस जगह को यहां के निवासी छोड़कर भाग गये थे। एक दशक से भी कम समय पहले, बंश ग्राम इलाका अपनी उग्रवादी गतिविधियों के लिए जाना जाता था। 1999 में पंचबती हत्याकांड के बाद विशेष रूप से प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (ATTF) द्वारा बंश ग्राम में 18 लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गयी थी। हत्या के बाद बड़ी संख्या में लोग यहां से भाग गए थे। बंश ग्राम नाम के इस इलाके में एक बहुत की शानदार रेस्टोरेंट भी है जहां पर्यटक खाने पीने के लिए आते हैं। इस जगह का नाम बंश ग्राम है। बंश ग्राम के संस्थापक मन्ना रे ने कहा कि उन्होंने इसे बनाया था। स्थानीय संसाधनों के उपयोग से इको-टूरिज्म डेस्टिनेशन को बढ़ावा देने के लिए सुंदर बांस का सहारा लेकर इस जगह को बनाया है। प्रकृतिक चीजों से बना बंश ग्राम लोगों के बीच काफी मशहूर हो रहा है। बांस की झोपड़ियों से लेकर कुर्सियां, मेज, पुल, वॉचटावर यहां सब कुछ बांस से बना है।

अमरकंटक : तपोभूमि और प्राकृतिक छटा जहां जाने से मिलता है मोक्ष

मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के पुष्पराजगढ़ तहसील में स्थित नर्मदा नदी का उद्गम स्थल अमरकंट कई ऋषि-मुनियों की तप-स्थली होने के साथ ही यह स्थल आध्यात्मिक और प्राकृतिक दृष्टि से बहुत ही सुंदर और मनोरम है। अमरकंटक का उल्लेख महाभारत काल में भी मिलता है। ऐतिहासिक दृष्टि से भी यह स्थल महत्वपूर्ण है।

तपस्थली : कहते हैं, किसी जमाने में यहां पर मेकल, व्यास, भृगु और कपिल आदि ऋषियों ने तप किया था। ध्यानियों के लिए अमरकंटक बहुत ही महत्व का स्थान है। जगतगुरु शंकराचार्य ने यही पर नर्मदा के सम्मान में नर्मदाष्टक लिखा था। भारत भ्रमण करते समय शंकराचार्य ने कुछ दिन यहां गुजारे और कई मंदिरों की स्थापना की। बीर ने भी यहां कुछ समय बिताया था, जिसे आज कबीर चौरा के नाम से जाना जाता है।

मंदिर : अमरकंट के कोटितीर्थ के मंदिरों के अलावा यहां से कुछ कदमों की दुरी पर कल्चुरि राजाओं के द्वारा बनाए गए मंदिर हैं। यहां स्थित मंदिरों में पातालेश्वर महादेव मंदिर, शिव, विष्णु, जोहिला, कर्ण मंदिर और पंचमठ महत्वपूर्ण है। पातालेश्वर महादेव मंदिर में स्थित शिवलिंग की स्थापना शंकराचार्य ने की थी। इस मंदिर की विशेषता यह है कि शिवलिंग मुख्य भूमि से दस फीट नीचे स्थित है यहां श्रावण मास के एक सोमवार को नर्मदा का पानी पहुंचता है। कोटितीर्थ से आठ किमी उड्डार में स्थित है 'जलेश्वर महादेव'। यहां के मंदिरों को संवारने का कार्य कई शासकों ने किया जिनमें नाग, कल्चुरि, मराठा और बघेल वंश के शासक रहे हैं।

नर्मदा का उद्गम स्थल : कोटितार्थ मां नर्मदा का उद्गम स्थल है। यहां सफेद रंग के लगभग 34 मंदिर हैं। यहां नर्मदा उद्गम कुंड है, जहां से नर्मदा नदी का उद्गम है जहां से नर्मदा प्रवाहमान होती है। मंदिर परिसरों में सूर्य, लक्ष्मी, शिव, गणेश, विष्णु आदि देवी-देवताओं के मंदिर है।

शोण शक्तिपीठ : मध्यप्रदेश के अमरकंटक के नर्मदा मन्दिर शोण शक्तिपीठ है। यहां माता का दक्षिण नितम्ब गिरा था। एक दूसरी मान्यता यह है कि बिहार के सासाराम का ताराचण्डी मन्दिर ही शोण तटस्था शक्तिपीठ है। यहां सती का दायां नेत्रा गिरा था ऐसा माना जाता है। यहां की शक्ति नर्मदा या शोणाक्षी तथा भैरव भद्रसेन हैं।

प्राकृतिक सुंदरता : अमरकंटक अपने प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। अमरकंटक मैकल पर्वतश्रेणी की सबसे ऊंची श्रृंखला है। विंध्याचल, सतपुड़ा और मैकल पर्वतश्रेणियों की शुरुआत यही से होती है। अमरकंटक अपने औषधि वाले जंगल के लिए जाना जाता है। यहां तरह-तरह की औषधियां मिलती हैं।

नदियों का उद्गम स्थल : समुद्रतल से अमरकंटक 3600 फीट की ऊंचाई पर स्थित अमरकंटक को नदियों की जननी कहा जाता है। यहां से लगभग पांच नदियों का उद्गम होता है जिसमें नर्मदा नदी, सोन नदी और जोहिला नदी प्रमुख है। अमरकंटक के कोटितीर्थ से लगभग एक किमी दूर स्थित है सोनमुंग जिसे सोनमुड़ा भी कहते हैं। सोनमुंग से ही सोन नदी का उद्गम होता है जो उड्डार की ओर बहती हुई गंगा नदी में मिल जाती है। सोनमुंग से प्रकृतिक नजारा देखने लायक है। प्रकृतिप्रेमियों के लिए यह जगह आनंद देने वाली है। यहां बंदरों की आप पूरी फौज को देख सकते हैं। यहां के बंदरों की खासियत यह है कि यह सभी भी शांत चिड्डा नजर आते हैं। सोनमुंग से एक किमी दूर स्थित है माई की बगिया। लोक मान्यता अनुसार यहां नर्मदा नदी बचपन में खेल खेला करती थी। माई की बगिया से लगभग 3 किमी दूर स्थित है नर्मदा द्वारा बनाया गया पहला जलप्रपात जिसे कपिलधारा के नाम से भी जाना जाता है।

अहमदाबाद में बुधवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने गुजरात के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम का शुभारंम्भ किया।

भारत के खेल इतिहास का स्वर्णिम दिन : अमित शाह- दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम नरेन्द्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम का राष्ट्रपति ने किया उदघाटन

क्रांति समय दैनिक

राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने आज अहमदाबाद, गुजरात में दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम 'नरेन्द्र मोदी स्टेडियम' का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति ने 'सरदार वल्लभभाई स्पोर्ट्स एन्क्लेव' का भूमि पूजन भी किया। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केन्द्रीय खेल राज्य मंत्री किरण रिजिजू और गुजरात के उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल भी उपस्थित थे।

स्टेडियम के उद्घाटन और स्पोर्ट्स एन्क्लेव के भूमि पूजन के लिए राष्ट्रपति का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज का दिन भारत के खेल इतिहास का स्वर्णिम दिन है। आज राष्ट्रपति जी के कर-कमलों से लौह पुरुष भारतरत्न सरदार पटेल जी के नाम पर एक बड़े स्पोर्ट्स एन्क्लेव का भूमि पूजन हुआ है। अमित शाह ने कहा कि अत्याधुनिक विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का नाम 'नरेन्द्र मोदी स्टेडियम' होगा। इस स्टेडियम में 1.32 लाख दर्शक मैच का लुत्फ़ उठा सकेंगे। स्टेडियम में 11 पिच हैं, जो विश्व के किसी अन्य स्टेडियम में नहीं हैं। चार ड्रेसिंग रूम हैं, साथ ही कितनी भी बारिश हो, बरसात रुकने के आधे घंटे में मैच डिस्टर्ब करे बगैर आगे का खेल शुरूकिया जा सकेगा। स्टेडियम में इस प्रकार की एलईडी लाइट्स लगी हैं जिनसे खिलाड़ी की परछाई पिच पर नहीं पढ़ेगी और 40 से 50त्न बिजली की बचत भी होगी। उन्होंने कहा कि स्टेडियम में एक हाई टेक मीडिया रूम भी बनाया गया है जो यहाँ होने वाली खेल प्रतिस्पर्धाओं को दुनिया भर तक पहुँचाएगा। अमित शाह ने कहा कि यह एक बहुत ही ऐतिहासिक स्टेडियम है और यहाँ कई रिकॉर्ड बने हैं। उन्होंने कहा कि आज पहली बार इस स्टेडियम में पिंक गेंद से मैच खेला जाएगा। शाह ने कहा कि कपिल देव ने सर्वाधिक 431 विकेट लेने के रिचर्ड हेडली के रिकॉर्ड को इसी मैदान पर तोड़ा था। सुनील गावस्कर ने 10,000 रन इसी मैदान पर बनाए थे और सचिन तेंदुलकर ने वनडे मैचों में 18,000 रन और क्रिकेट कैरियर में अपने बीस साल इसी स्टेडियम में पूरे किए थे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि यहाँ बनने वाला सरदार

वल्लभभाई स्पोर्ट्स एन्क्लेव एक महत्वकांक्षी परियोजना है। उन्होंने कहा कि 233 एकड़ भूमि में बनने वाला यह देश का सबसे बड़ा स्पोर्ट्स एन्क्लेव होगा। इसमें सभी विश्व स्तरीय खेल सुविधाएँ होंगी। एन्क्लेव में नारायणपुरा में बनने वाला 18 एकड़ का एक नया स्पोर्ट्स कंपलेक्स भी शामिल है। श्री शाह ने बताया कि सरदार पटेल स्पोर्ट्स संकुल, नरेंद्र मोदी स्टेडियम और नारायणपुरा में बनने वाला स्पोर्ट्स कंपलेक्स, यह तीनों मिलाकर किसी भी अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में खेले जाने वाले सभी खेलों की पूरी व्यवस्था एक ही शहर में एक ही जगह पर उपलब्ध होगी जो अहमदाबाद के लिए गौरव की बात है। यहाँ 250 कोचेस के रहने की व्यवस्था होगी और 3,000 बच्चे एक साथ प्रशिक्षण ले सकेंगे। श्री शाह ने कहा कि चाहे कॉमन वेल्थ गेम करने हों या ओलंपिक,

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

अहमदाबाद 6 महीने के अंदर तैयार हो जाए इस प्रकार का इंफ्रास्ट्रक्चर बनने की आज यहां शुरुआत हुई है। श्री अमित शाह ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब देखा हुआ उनका सपना आज साकार होने जा रहा है और अहमदाबाद भारत में स्पोर्ट सिटी के नाम से जाना जाएगा।

अमित शाह ने बताया कि आवाजाही के लिए बीआरटीएस तथा मेट्रो भी यहां तक पहुंचने वाली है और जब रिवर फ्रंट का एक्सटेंशन समाप्त हो जाएगा, तब नर्मदा और साबरमती का जल हमेशा यहां शांति और शीतलता प्रदान प्रदान करता रहेगा। श्री अमित शाह ने कहा कि गांधीनगर और अहमदाबाद ग्रामीण जिला के 600 से ज्यादा स्कूलों को इसके साथ जोड़ा जाएगा जिससे जिन स्कूलों के पास अपने प्लेग्राउंड नहीं हैं उनके बच्चों को खेलने की सुविधाएं मिल पाएंगी। सप्ताह में एक दिन बच्चा यहां आएगा पूरा दिन खेलेगा, खाना खाएगा और शाम को सुरक्षित अपने घर पंहुच जाएगा। उन्होने कहा कि सरदार स्पोर्ट्स एंक्लेव में कुल 20 स्टेडियम बनेगे और जिन खिलाड़ियों ने देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई है उन सभी के नाम पर इन स्टेडियम का नामकरण किया जाएगा जिससे कि खेल को बढ़ावा देने वालों को भी प्रेरणा मिलेगी। यहां पर लगभग लगभग 3,000 अपार्टमेंट बनेंगे जिनमें 12,500 बच्चे रह पाएंगे।री अमित शाह ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल स्पोर्ट एन्क्लेव बनाकर मोदी जी ने सरदार पटेल के लिए विशेष श्रद्धा प्रकट की है। सरदार पटेल का योगदान आजादी के बाद देश को एक करने में रहा, शायद सरदार न होते

गुजरात नगर निगम चुनाव में कांग्रेस की हार लोकतंत्र के लिए नुकसानदेह :संजय राउत

क्रांति समय दैनिक

सूरत,गुजरात में नगर निगम चुनाव में कांग्रेस की शिकस्त के बीच शिवसेना के सांसद संजय राउत ने कहा कि इस तरह कांग्रेस की हार लोकतंत्र कि हित में नहीं है और पार्टी को इस बारे में विचार करना होगा। राउत ने आरोप लगाया कि पुडुचेरी में कांग्रेस को सत्ता से हटाने के लिए भाजपा ने कई हथकंडे आजमाए और दिल्ली में बैठे लोगों द्वारा धन-बल का दुरुपयोग देश के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में भी इसी तरह के हथकंडे इस्तेमाल किए जा रहे हैं लेकिन सत्तारूढ़ शिवसेना मजबूती के साथ महा विकास आघाड़ी के घटक राकांपा और कांग्रेस के साथ खड़ी है। विश्वास प्रस्ताव पर मतदान से पहले मुख्यमंत्री नारायणसामी के इस्तीफे के कारण सोमवार को पुडुचेरी में कांग्रेस सरकार गिर गई। हाल ही में कई कांग्रेस विधायकों और बाहर से समर्थन दे रहे द्रमुक के एक विधायक के इस्तीफे के कारण केन्द्रशासित प्रदेश की सरकार अल्पमत में आ गई थी। भाजपा ने गुजरात में छह नगर निगमों के लिए हुए चुनाव में प्रचंड जीत हासिल की। भाजपा ने मंगलवार को हुई मतगणना में ५७६ में से ४८३ सीटें जीतकर इन नगर निकायों में अपनी सत्ता बरकरार रखी। विपक्षी दल कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा और वह केवल ५५ सीटों पर जीत दर्ज कर सकी। वहीं, राज्य में नगर निकाय चुनावों में पहली बार उतरी आम आदमी पार्टी (आप) ने २७ सीटों पर जीत हासिल की और ये सभी सीटें उसने सूरत में जीती। आप सूरत नगर निगम में मुख्य विपक्ष के रूप में उभरी। परिणाम पर राउत ने कहा, ''सूरत एक महत्वपूर्ण नगर निगम है और लोगों ने मुख्य विपक्षी दल के रूप में आप को चुना है। कांग्रेस को इस बारे में विचार करना होगा, हम सबको इस पर विचार करने की जरूरत है।'' उन्होंने सूरत में आप की जीत का स्वागत किया। उन्होंने कहा, ''लेकिन गुजरात में और अन्य राज्यों में कांग्रेस जैसी बड़ी पार्टी को लोगों ने क्यों खारिज किया। कांग्रेस की हार लोकतंत्र के हित में नहीं है। राज्यसभा सदस्य ने आरोप लगाया कि भाजपा ने कई हथकंडों का इस्तेमाल कर पुडुचेरी में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर दिया।उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में ऐसे हथकंडों का इस्तेमाल हुआ और मध्य प्रदेश में भी इन्हें आजमाया गया था। राउत ने कहा, ''लेकिन पुडुचेरी और महाराष्ट्र में बड़ा अंतर है। यहां मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे हैं और शिवसेना महा विकास आघाड़ी के दोनों घटकों के साथ मजबूती से खड़ी है।'' उन्होंने कहा कि पुडुचेरी के घटनाक्रम से सभी दलों को सबक लेना चाहिए। उन्होंने कहा, ''अगर विपक्ष नहीं रहा तो देश में लोकतंत्र नहीं बचेगा और लोकतंत्र नहीं रहा तो यह देश नहीं रहेगा और देश नहीं रहा तो देशी ईस्ट इंडिया कंपनी देश को चलाएगी।

सार–समाचार

स्टेडियम विवाद पर बोले नितिन पटेल– कांग्रेस पहले अपना इतिहास खंगाले

अहमदाबाद,दुनिया के सबसे बड़े स्टेडियम मोटेरा का नाम बदलकर नरेन्द्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम किए जाने का कांग्रेस ने कड़ा करते हुए इसे सरदार पटेल का अपमान बताया है। कांग्रेस के आरोप पर पलटवार करते हुए उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा कि कांग्रेस को पता ही नहीं है कि सरदार पटेल स्टेडियम अहमदाबाद में है और वह नगर निगम की संपत्ति है। नरेन्द्र मोदी जब गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के प्रमुख थे उस वक्त उन्होंने विश्व के सबसे बड़ा स्टेडियम का सपना देखा था। पुराना मोटेरा स्टेडियम तोड़कर 700 करोड़ रुपए की लागत से दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण कराया। जिसमें अमित शाह का पूरा योगदान रहा। कांग्रेस पहले अध्ययन करे और उसके बाद ही आरोप लगाए। स्टेडियम से सरदार पटेल का नाम हटाकर नरेन्द्र मोदी नहीं दिया गया। स्टेडियम का नाम मोटेरा स्टेडियम था, जिसे अब नरेन्द्र मोदी क्रिकेट एसोसिएशन नाम दिया गया है और यह फैसला गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन ने किया है। नितिन पटेल ने कहा कि दो नेताओं ने देश को गौरव दिलाया है और दोनों का नाम यहां जोड़ा गया है। मोटेरा में सरदार पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया जाएगा और इसी कॉम्प्लेक्स का हिस्सा होगा नरेन्द्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सरदार पटेल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का भूमिपूजन भी आज ही किया है। उप मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में देश के महान नेताओं का नाम मिटाने का प्रयास किया है। देश के ज्यादातर स्थलों के नाम गांधी परिवार से जुड़े हैं, किसी अन्य नेताओं के साथ नहीं। कांग्रेस ने बाबा साहब भीमराव अंबेडकर भी भारत रत्न नहीं दिया। सरदार पटेल का नाम हमेशा बड़ा था और रहेगा। कांग्रेस आलोचना करती है, लेकिन कभी सरदार पटेल का नाम विश्व पटल रखने का प्रयास अपने शासन में नहीं किया। सरदार पटेल की विश्व की सबसे विराट प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाकर दुनिया को सरदार पटेल के जीवनी से परिचित कराने का प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया है। जबकि कांग्रेस ने हमेशा सरदार पटेल का नाम मिटाने का प्रयास किया।

पिता ने पहला चुनाव जीता 27 वोटों से, बेटा जीता 20 हजार से अधिक अंतर से

वडोदरा, गुजरात के 6 महानगर पालिका में चुनाव के नतीजे आ गए हैं और सभी 6 शहरों में भाजपा ने विजय पताका लहरा दी है। नगर निगम चुनाव में भाजपा ने युवा उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी थी और उसके नतीजे भी अच्छे मिले हैं। वडोदरा में 22 वर्षीय भाजपा उम्मीदवार ने अपने पहले चुनाव में 20 हजार से अधिक वोटों के अंतर से जीत दर्ज की है। जबकि उसके पिता ने पहला चुनाव केवल 27 वोटों के अंतर से जीता था। वडोदरा नगर निगम के वार्ड नंबर 9 से भाजपा ने 22 वर्षीय श्रीरंग आयरे को उम्मीदवार बनाया था। भाजपा का श्रीरंग आयरे पर किया गया विश्वास रंग लाया और वह अपना पहला चुनाव 20 हजार से भी अधिक वोटों के अंतर से जीत गया। दरअसल निगम चुनाव में टिकट श्रीरंग आयरे के पिता राजेश आयरे को मिलना था। लेकिन वह तीन बार से अधिक बार चुनाव लड़ चुके थे।

पश्चिम रेलवे की सतर्कता टीम ने पकड़ा आयातित सिगरेटों का अवैध परिवहन

अहमदाबाद,पश्चिम रेलवे के सतर्कता विभाग ने प्रतिबंधित वस्तुओं के परिवहन और बिना जीएसटी वाले पार्सल का पता लगाने के लिए चलाये गये एक अभियान के अंतर्गत मेल एक्साप्रेस ट्रेनों में आयातित सिगरेटों के अवैध परिवहन का पता लगाया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस तरह की अनियमितता का पता लगाने के लिए सतर्कता विभाग 19 जनवरी, 2021 से नियमित अभियान चला रहा है। 16 फरवरी, 2021 को मुंबई सेंट्रल स्टे शन पर ट्रेन संख्या 02904 स्वर्ण मंदिर मेल स्पोशल ट्रेन के लीज़ कंपार्टमेंट की जाँच के दौरान पाँच संदिग्ध पैकेजों का पता लगाया गया। ये पैकेज ई-वे बिल एंड इनवॉइस के बिना ले जाये जा रहे थे। 23 फरवरी, 2021 को पश्चिम रेलवे के इंस्पेक्टर मिकी सक्सेना, मनोज यादव और एच. एन. दवे की सतर्कता टीम ने नियम के अनुसार पैकेज खोले। एक पैकेज में श्वस्स्थ स्र्ह्वह्लद्ग ।।ञ्जस् ब्रांड की आयातित सिगरेटों का पता चला, जिसमें 64,000 सिगरेटों के कुल 320 पैकेट थे। इन सिगरेटों को कोरिया से आयात किया गया था और इनमें समान बैच संख्याएँ थीं, जो नकली होने का संकेत है।

ऐसी प्रतिबंधित सिगरेट का व्यापार उच्च मुनाफे के कारण बड़े पैमाने पर हो रहा है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

भाजपा के भर्ती एजेंट की तरह बात कर रहे हैं राहुल गांधी : माकपा

तिरुवनंतपुरम। केरल में सत्तारूढ़ माकपा ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भाजपा के ''भर्ती एजेंट'' की तरह बात कर रहे हैं। माकपा की तरफ से यह बयान तब आया है जब कांग्रेस नेता ने एक दिन पहले कूटनीतिक माध्यम से सोने की तस्करी सहित कई मुद्दों पर वाम मोर्चा सरकार की निन्दा की। बयान में माकपा राज्य सचिवालय ने दावा किया कि कांग्रेस की मंगलवार की रैली में गांधी ने भाजपा की थोड़ी सी भी निन्दा नहीं की। माकपा ने कहा, ''उन्होंने (राहुल गांधी) भाजपा के भर्ती एजेंट की तरह बात की। यह काफी हैरान करने वाला है।'' पार्टी ने आरोप लगाया कि गांधी द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्द भाजपा जैसे ही हैं। माकपा ने यह दावा भी किया कि राज्य में नेता विपक्ष रमेश चेन्निथला के नेतृत्व में हाल में संपन्न यात्रा के दौरान कांग्रेस ने भाजपा की आलोचना नहीं की। सत्तारूढ़ पार्टी ने आरोप लगाया कि यह सब कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर हुआ। गांधी को ''विफल नेता'' करार देते हुए माकपा के राज्य सचिव प्रभारी ए विजयराघवन ने कहा कि कांग्रेस नेता पुडुचेरी में कांग्रेस नीत सरकार को नहीं बचा सके।

भाजपा शासित नगर निकाय अव्यवस्था के शिकार, आप एकमात्र विकल्प : केजरीवाल

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आगामी नगर निगम उपचुनावों से पहले बुधवार को कहा कि शहर में भाजपा शासित नगर निकायों में अव्यवस्था का आलम है और आम आदमी पार्टी (आप) ही एकमात्र विकल्प है। उत्तर दिल्ली नगर निगम के तहत आने वाले शालीमार बाग में एक रोड शो को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में आप सरकार ने मुफ्त चौबीसों घंटे बिजली दी है। अच्छे स्कूल और अस्पताल दिये हैं। शालीमार बाग उन पांच वार्डों में शामिल है, जहां 28 फरवरी को उपचुनाव होंगे। उन्होंने दावा किया, ''दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) भाजपा के तहत अव्यवस्था के शिकार हो गये हैं।'' उन्होंने लोगों से आप उम्मीदवार के लिए वोट देने की अपील करते हुए यह कहा। यह सीट भाजपा के पार्षद की मृत्यु हो जाने के बाद रिक्त हुई है। शहर के तीन नगर निगमों के लिए उप चुनाव 28 फरवरी को होने हैं। इसके परिणाम की घोषणा तीन मार्च को की जाएगी। आप के अलावा, भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवार भी उपचुनाव लड़ रहे हैं।

विधानसभा चुनाव में जीत के लिए जयललिता समर्थकों को एकजुट होना चाहिए : शशिकला

चेन्नई। अन्नाद्रमुक से निष्कासित नेता वीके शशिकला ने बुधवार को पार्टी की दिवंगत प्रमुख जे जयललिता के सच्चे समर्थकों से हाथ मिलाने और आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में शानदार जीत सुनिश्चित करने की अपील की। संपत्ति मामले में चार साल कैद की सजा काटकर लौटीं शशिकला की इस अपील को चुनाव से पहले सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक के साथ मनमुटाव को खत्म करने के संकेत की तरह देखा जा रहा है। चेन्नई में पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता की 73वीं जयंती के मौके पर श्रद्धांजलि देने के बाद शशिकला ने अपनी दिवंगत नेता के उन शब्दों को याद किया, जिनमें वह अन्नाद्रमुक को सदियों तक जनता की सेवा में लगे रहने की बात कहती थीं। उन्होंने कहा कि जयललिता के सच्चे समर्थकों को एकसाथ आना चाहिए और आगामी विधानसभा चुनाव में जीत का लक्ष्य तय करना चाहिए। शशिकला ने बिना किसी का नाम लिए जयललिता को श्रद्धांजलि देने पहुंचे अम्मा मक्कल मुनेत्र कझगम (एएमएमके) कार्यकर्ताओं को यह संदेश दिया।

मोदी के नाम पर स्टेडियम, कांग्रेस ने कहा- अब लौह पुरुष सरदार पटेल को भी वणक्कम !

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बुधवार को दुनिया के सबसे बड़े और अत्याधुनिक क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन किया जिसका नाम अब सरदार पटेल स्टेडियम की बजाय देश के प्रधानमंत्री के नाम पर नरेंद्र मोदी स्टेडियम होगा जिन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते इसकी संकल्पना की थी। मोटेरा स्टेडियम का नाम नरेंद्र मोदी पर किए जाने को लेकर अब राजनीति भी शुरू हो गई है। कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने ट्वीट कर कहा कि अब लोहपुरुष सरदार पटेल को भी वणक्कम ! पहले महात्मा गाँधी को खादी कैलेंडर से ग़ायब किया और अब मोटेरा स्टेडीयम से सरदार पटेल को।

एक 'आत्ममुग्ध' प्रधानमंत्री और चाटुकारों की सरकार से इसी शर्मनाक व्यवहार की उम्मीद थी। जान लें, 'बापू' और 'सरदार' का नाम भाजपाई कभी नही मिटा सकते। गुजरात की अस्मिता को ललकारा है भाजपा ने ! जान लें, सरदार पटेल का नाम मिटा न तो नरेंद्र मोदी बड़े हो सकते और न ही सरदार पटेल की अमर ख्याति छोटी होगी। और देश के राष्ट्रपति ने ऐतराज क्यों नही किया? वो इस कुकृत्य में भागीदार क्यों बने? देश जबाब माँगता है!

वहीं, स्टेडियम के अंबानी एंड और रिलायंस एंड की तस्वीरों को ट्वीट करते हुए पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सरकार पर तंज कसा की नरेंद्र मोदी स्टेडियम जिसका उद्घाटन अमित शाह ने किया। इसके अडानी एंड और रिलायंस एंड भी है। मित्रों......, यह स्टेडीयम 'हम दो, हमारे दो' को समर्पित किया जाता है।

राजनाथ सिंह को मिले किसानों से बात करने की आजादी, तो हो जाएगा सम्मानजनक फैसला : टिकैत

बाराबंकी (उप्र)।(एजेंसी)।

भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेश टिकैत ने कहा कि सरकार अगर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों से बातचीत करने की आजादी दे तो सम्मानजक फैसला हो जाएगा। टिकैत ने हैदरगढ़ रोड स्थित हरख ब्लॉक चौराहे पर किसान महापंचायत को सम्बोधित करते हुए आरोप लगाया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सरकार ने ''पिंजरे का तोता'' बना दिया है। टिकैत ने कहा,'' सरकार राजनाथ सिंह को बात करने की आजादी दे, तो हमारी गारंटी है कि फैसला हो जाएगा और भाजपा की भी साख बची रह जाएगी। उन्होंने कहा किसान राजनाथ सिंह का सम्मान करते हैं, लेकिन सरकार उन्हें मौका नहीं दे रही है। यह सरकार जिद्दी है, सरकार को किसानों की बात सुननी चाहिए और अपना रवैया बदलना चाहिए।

टिकैत ने भाजपा पर हिन्दू-मुसलमान के बीच फूट डालने का आरोप लगाते हुए कहा पहले हिंदू और मुस्लिम एक साथ प्रेम से रहते थे। कोई किसी का विरोध नहीं करता था, लेकिन साल 2013 से भाजपा ने मुसलमानों को लेकर काफी भ्रांतियां फैला दीं। मुसलमानों को लेकर सभी के मन में फूट डलवा दी लेकिन अब लोगों को इनकी चाल समझ में आ रही है, इसीलिए अब इनकी दाल नहीं गलने वाली। भाकियू अध्यक्ष ने कहा कि पंजाब और हरियाणा से शुरू हुए किसानों के आंदोलन को अब तीन महीने बीत चुके हैं। दिल्ली की सीमाओं पर बैठे किसान सरकार से कृषि कानूनों को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक फैले आंदोलन की आंच अब अवध और पूर्वांचल में भी पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल का रास्ता बाराबंकी से खुलता है। ये पूर्वांचल की सफलता का द्वार है, इसलिए इसे खोलना बहुत जरूरी है। जब यहां का किसान अपने अधिकारों के प्रति जागरुक होगा तभी वह पूर्वांचल के किसानों को तीनों काले कानूनों के खिलाफ जागरुक करने में सफल होगा।

भाकियू अध्यक्ष ने कहा हम इस तरह की पंचायतें पूरे पूर्वांचल में करने जा रहे हैं। हर जिले में हमारी महापंचायत होगी। इसमें किसानों को जागरुक कर यह बताने का कार्य करेंगे कि ये तीनों कानून किस तरह से आने वाले दिनों में हमें अपना गुलाम बना लेंगे। केन्द्रीय मंत्री संजीव बालियान के मुद्दे पर नरेश टिकैत ने कहा कि बालियान भी परेशान हैं। उन्हें भी विरोध झेलना पड़ रहा है। उन्होंने कहा हम लोगों ने भाजपा को वोट दिया था। भाजपा के कई लोग हमारे साथ हैं लेकिन मंत्रिमंडल में बैठे लोग हमारे साथ नहीं हैं। अगर यह सरकार कुछ दिन और रहेगी तो किसानों को अपनी खेती से हाथ धोना पड़ेगा।

अगर किसान केन्द्र की पेशकश पर विचार करें तो सरकार बातचीत को तैयार : तोमर

नयी दिल्ली। केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने बुधवार को कहा कि अगर किसान कृषि कानूनों को डेढ़ साल तक स्थगित रखने और इस दौरान संयुक्त समिति के माध्यम से मतभेद सुलझाने की केन्द्र की पेशकश पर विचार करने को तैयार हों तो सरकार आंदोलनरत किसानों के साथ बातचीत को तैयार है। सरकार और किसानों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठनों के बीच अभी तक 11 दौर की बातचीत हो चुकी है और अंतिम बातचीत 22 जनवरी को हुई थी। 26 जनवरी, गणतंत्र दिवस के दिन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में किसानों की ट्रैक्टर परेड में हुई हिंसा के बाद दोनों पक्षों में बातचीत बंद हो गई।

गौरतलब है कि किसान केन्द्र द्वारा पिछले साल बनए गए तीन कृषि कानूनों को वापस लेने और फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी की मांग को लेकर नवंबर, 2020 के अंत से ही दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन कर रहे हैं। एक समारोह से इतर तोमर ने कहा कि सरकार किसानों और कृषि क्षेत्र के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वह किसानों की आय दोगुनी करने और भारतीय कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने का प्रयास कर रही है। मंत्री भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) नेता राकेश टिकैत की धमकी के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। टिकैत ने चेतावनी दी है कि अगर कानूनों को वापस नहीं लिया गया तो 40 लाख ट्रैक्टरों के साथ संसद तक मार्च निकाला जाएगा। सरकार किसानों के साथ बातचीत शुरू करने का प्रयास कर रही है या नहीं, इस पर केन्द्रीय मंत्री तोमर ने कहा, ''भारत सरकार किसानों से पूरी संवेदना के साथ चर्चा करती रही है। आज भी जब उनका कोई मत (विचार) आएगा, तो भारत सरकार हमेशा किसानों के साथ चर्चा करने को तैयार है।'' हजारों की संख्या में किसान, विशेष रूप से पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कियान पिछले करीब तीन महीने से दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन कर रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर लगाया विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप

लखनऊ।(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस पर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि ऐसी मानसिकता ने ही हमेशा राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने गंभीर संकट खड़ा किया है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर अपने वक्तव्य में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, कुछ लोगों को भारत की प्रगति बहुत अच्छी नहीं लगती। मैं एक राष्ट्रीय पार्टी के नेता का वक्तव्य सुन रहा था।

उत्तर प्रदेश ने उनको कई बार सांसद बनाया। वह केरल में जाकर उत्तर प्रदेश के लोगों की खिल्ली उड़ा रहे हैं। बांटने का कार्य कर रहे हैं और वह भी अमेरिकी छात्रों से बातचीत करते हुए। उन्होंने कहा, अमेठी और उत्तर प्रदेश के लोगों को कौन लोग अपमानित कर रहे हैं। कांग्रेस आखिर क्या करना चाहती है। यह विभाजनकारी राजनीति क्यों? आप कभी अमेरिकी राजदूत के सामने भारत की निंदा करते हुए कहते हैं कि हमें लश्कर-ए-तैयबा और अन्य आतंकवादी संगठनों से खतरा नहीं है, बल्कि भारत के अंदर के संगठनों से खतरा हो गया। हमें आश्चर्य होता है कि यह कैसी विभाजन की राजनीति है उन्होंने आरोप लगाया, विदेशी राजदूतों के सामने भारत के संगठनों को कटघरे में खड़ा करना, भारत को अपमानित करना, जब सेना सीमा पर लड़ रही हो और दुश्मन देशों को मुंहतोड़ जवाब दे रही हो तब सेना के जवानों को हतोत्साहित करना कौन सी मानसिकता है।

यही मानसिकता है, जिसने हमेशा राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने गंभीर संकट खड़ा किया है। इस पर कांग्रेस के सदस्यों ने विरोध जताते हुए इस आरोप को गलत बताया। विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने शोर मचा रहे सदस्यों से शांत रहने का आग्रह किया। इस पर, मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने किसी का नाम तो नहीं लिया.... फिर यह कहावत चरितार्थ हो गई है कि चोर की दाढ़ी में तिनका।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मथुरा गयीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा की तरफ इशारा करते हुए कहा यह कैसा राजनीतिक संस्कार है कि आप उत्तर प्रदेश में जब आएंगे तब मंदिर भी याद आने लगता है। तब कहेंगे कि वृंदावन को बचाओ। वृंदावन को आप क्या बचाएंगे। वह तो भगवान कृष्ण की लीला भूमि है जब कंस उसका बाल बांका नहीं कर पाया है तो आप क्या कर पाएंगे। उन्होंने प्रियंका पर कोविड-19 महामारी के दौरान भी प्रवासी श्रमिकों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए 1000 बसें उपलब्ध कराने के नाम पर प्रदेश की जनता के साथ मजाक करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उन वाहनों की जांच में पता लगा कि जो बस का नंबर बताया गया वह दरअसल स्कूटर का था।

विधानसभा में बोले शायराना हुए गहलोत, कहा- मेरी सादगी से मेरे बारे में अंदाजा मत लगाना

जयपुर।(एजेंसी)।

आमतौर पर गंभीर मुद्रा में रहने वाले राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बुधवार को अपने बजट भाषण के दौरान शायराना अंदाज में नजर आए। इस दौरान उन्होंने प्रतिपक्ष की ओर देखते हुए कई बार चुटकियां लीं और ताकीद करते नजर आए कि वे उनकी सादगी से उनके बारे में कोई अंदाजा नहीं लगाएं। गहलोत ने वित्त वर्ष 2021- 22 का बजट विधानसभा में पेश करते हुये कोरोना महामारी से उपजे संकट का जिक्र करते हुये कहा कि ''हम यह संकल्प ले रहे हैं कि दूरगामी सोच के साथ आर्थिक संसाधन जुटाने के अभिनव प्रयास किए जाएंगे और हमेशा की तरह इस चुनौती को भी एक अवसर में बदलेंगे।

इसके बाद उन्होंने स्वतंत्रता सेनानी राम प्रसाद बिस्मिल की ये पंक्तियां पढ़ीं .. ''पलट देते हैं हम मौजे हवादिस अपनी जुर्रत से हमने आंधियों में भी चिराग अक्सर जलाए हैं।'' वहीं अपने बजट भाषण में कर प्रस्तावों की शुरुआत से पहले गहलोत ने कहा, मैं सभी माननीय सदस्यों से यह भी कहना चाहूंगा कि उन्नति के इस सफर पर हम सबको साथ और बहुत दूर तक चलना है। 'इसके बाद उन्होंने यह पंक्तियां पढ़ीं = ''मेरे हौसलों में अभी जान बाकी है, यह तो दौड़ भर थी अभी उड़ान बाकी है, मेरी सादगी से मेरे बारे में अंदाजा मत लगाना, यह तो शुरुआत भर थी अंजाम अभी बाकी है।''

इसके साथ ही गहलोत ने सामने बैठे प्रतिपक्ष की ओर चुटकी लेते हुए कहा कि कहा कि कोरोना जब शुरू हुआ तो बहुत कुछ आशंकाएं विपक्ष व्यक्त कर रहा था और कह रहा था कि आने दो बजट देखेंगे लेकिन यह जादूगर की यह जादूगरी है देखो आप.. आगे आगे देखते जाओ आप। गहलोत ने अपने बजट भाषण का समापन इन पंक्तियों के साथ किया.... ''निगाहों में मंजिल थी, गिरे और गिर कर संभलते रहे हवाओं ने बहुत कोशिश की, मगर चिराग आंधियों में भी जलते रहे।'' गहलोत ने अपने लगभग 110 पन्नों के बजट भाषण को लगभग 2.50 घंटे में पढ़ा और इस दौरान उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम, राजीव गांधी व मदर टेरेसा सहित कई हस्तियों को उदृधत किया।

पुडुचेरी में जनादेश पलटने के लिए जनता भाजपा को देगी करारा जवाब : मोइली

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली ने पुडुचेरी में कांग्रेस सरकार के पतन के लिए भाजपा पर धन बल के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि जनादेश को पलटने के लिए वहां की जनता भगवा पार्टी को करार जवाब देगी। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में लोकतांत्रिक मूल्यों को बचाना आगामी चुनाव का मुख्य मुद्दा होगा। केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस की ओर से नियुक्त वरिष्ठ पर्यवेक्षक मोइली ने कहा कि द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के साथ पार्टी का गठबंधन जारी रहेगा और आने वाले चुनावों में गठबंधन को शानदार बहुमत मिलेगा।

एक साक्षात्कार में मोइली ने दावा किया कि पुडुचुरी का चुनाव भाजपा के पतन की शुरुआत होगी और कांग्रेस पार्टी की मार्फत देश में लोकतांत्रिक ताकत को बल मिलेगा। भाजपा पर हमला करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पुडुचेरी की कांग्रेस सरकार सरकार को कभी भी काम नहीं करने दिया गया और इसके लिए तत्कालीन उपराज्यपाल किरन बेदी को आगे किया गया। मोइली ने कहा, ''उनका उकमात्र ध्येय कांग्रेस सरकार को काम नहीं करने देना था।'' उन्होंने कहा कि इस बारे में तत्कालीन मुख्यमंत्री वी नारायणसामी की ओर से विभिन्न माध्यमों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को अवगत कराया गया लेकिन उन्होंने एक ना सुनी।'' ज्ञात हो कि पिछले दिनों कुछ कांग्रेस और द्रमुक के विधायकों के इस्तीफे के बाद विधानसभा में कांग्रेस की सरकार अल्पमत में आ गई थी और उसके बाद नारायणसामी को इस्तीफा देना पड़ा था। मोइली ने आरोप लगाया कि मोदी और शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार नेपिछले चार-पांच सालों में पुडुचेरी में ''लोकतंत्र की हत्या'' की और कोई भी विकास का काम नहीं होने दिया।

उन्होंने दावा किया कि पुडुचेरी के विधायक भी घुटन महसूस कर रहे थे क्योंकि उन्हें लग रहा था कि सरकार यदि फिर से सत्ता में लौटती है तो भी बेदी उसे भी काम करने नहीं देगी। उन्होंने कहा, ''उन्होंने (भाजपा) विधायकों को सत्ता और धन का प्रलोभन दिया। वे भी लालच में आ गए क्योंकि सरकार को काम ना करने देने से वे भी घुटन महसूस कर रहे थे।'' विधायकों के इस्तीफे के सिलसिले और कांग्रेस सरकार के पतन को उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा उपराज्यपाल के माध्यम से करायी गई ''लोकतंत्र की खुली हत्या'' करार दिया। हालांकि उन्होंने कहा कि सरकार विधायकों के इस्तीफे के चलते नहीं गिरी बल्कि मनोनित सदस्यों को मतदान करने देने से गिरी। उन्होंने कहा, ''तीन सदस्यों का मनोनयन और उन्हें मताधिकार की शक्ति देना बेहद अलोकतांत्रिक था। यहां तक कि न्यायपालिका ने भी इस मामले में जल्दी कदम नहीं उठाया।

दिल्ली दंगों का एक साल, 1800 से ज्यादा गिरफ्तार और 755 एफआईआर, पुलिस कमिश्नर ने बताया कैसे समान्य हुई स्थिति

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

पिछले वर्ष दिल्ली में हुए दंगों को एक साल पूरे हो गए। 23 फरवरी 2020 को उत्तर पूर्वी दिल्ली में दंगों के बाद दिल्ली खूब जली थी। इसमें 50 से ज्यादा लोगों ने अपनी जान गंवाई और कई लोग घोयल हुए थे। दिल्ली दंगों के एक बाद दिल्ली पुलिस के कमिश्नर एनएन श्रीवास्तव ने इस पर बोलते हुए कहा कि पिछले साल उत्तर पूर्वी दिल्ली में दंगे के बाद स्थिति जब सामान्य हो रही थी तब हमने विभिन्न समुदाय के नेताओं के साथ बातचीत की। इससे लोगों को विश्वास हुआ और स्थिति सामान्य हुई। 755 शिकायतों को दर्ज़ किया और 1,800 से ज़्यादा लोग गिरफ़्तार किए।

एसएन श्रीवास्तव ने कहा कि जिन लोगों ने दंगों की साजिश रची उनके खिलाफ क़ानूनी कार्रवाई हुई है। 350 से ज्यादा मामलों में चार्जशीट दाखिल हो गई है। 400 से ज्यादा मामलों को हल कर लिया गया है और कोर्ट में विचाराधीन है। गौरतलब है कि 23 फरवरी 2020 को गुजरात के अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम की तैयारी चल रही थी। एक दिन बाद अमेरिका राष्ट्रपति भारत आने वाले थे। पिछलेलकई हफ्तों से दिल्ली के शाहीन बाग में धरना चल रहा था। ऐसा ही धरना दिल्ली के मौजपुर में शुरू हुआ। मेट्रो लाइन के पास प्रदर्शनकारी बैठ गए। 22-23 फरवरी के दरमियान रात को जाफराबाद मेट्रो स्टेशन के पास भी रास्ता रोककर प्रदर्शन शुरू हो गए थे। सीएए आंदोलन के वक्त प्रदर्शन बनाम प्रदर्शन का दौर चला।

कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के पीछे लोगों का लापरवाह रवैया, अपनाएं सुरक्षा संबंधी नियम

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस में आए सात हजार से ज्यादा बदलावों का रिकॉर्ड तैयार किया गया है, लेकिन यह नए स्वरूप से संबंधित नहीं है। विज्ञानियों ने वायरस में होने वाले परिवर्तन और नए स्वरूप के बीच अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि कुछ राज्यों में कोरोना के संबंध में उचित तौर तरीका नहीं अपनाने के कारण शायद मामले बढ़ रहे हैं।

सुरक्षा संबंधी नियम नहीं अपनाए गए तो कोरोना वायरस ज्यादा संक्रामक स्वरूप का हो सकता है प्रसार: विज्ञानियों ने आगाह किया है कि अगर सुरक्षा संबंधी नियम नहीं अपनाए गए तो ज्यादा संक्रामक स्वरूप का प्रसार हो सकता है या यह मूल स्वरूप की जगह ले सकता है। एक हालिया सर्वेक्षण में भारत में सार्स कोव-2 के जीनोम में 7,684 बदलाव का जिक्र किया गया है।

विज्ञानियों ने कहा- देश में कोरोना वायरस के 7,000 स्वरूप हैं : हैदराबाद स्थित सीएसआइआर- कोशिकीय एवं आणविक जीव विज्ञान केंद्र (सीसीएमबी) का अध्ययन चिंता का विषय है और कुछ धड़े में घबराहट बढ़ गई है। सीएसआइआर-सीसीएमबी के निदेशक और अध्ययन के सह लेखक राकेश मिश्र के मुताबिक 6,017 जीनोम अनुक्रमण के डाटा विश्लेषण से कोरोना वायरस के 7,684 बदलावों का दस्तावेजीकरण किया गया है। मिश्र ने प्रेट्र को बताया, 'इसका ये मतलब नहीं है कि देश में कोरोना वायरस के 7,000 स्वरूप हैं। इसका बस ये मतलब है कि अपेक्षा के अनुरूप वायरस के स्वरूप में बदलाव हुआ है और हमने इन बदलावों का दस्तावेजीकरण किया है।' साथ ही उन्होंने जोड़ा कि अभी यह कह पाना कठिन है कि देश में वायरस के कितने स्वरूप हैं।

बदलाव वाले सभी वायरस कायम नहीं रहते : विषाणु विज्ञानी उपासना रे ने स्पष्ट किया कि वायरस के स्वरूप में बदलाव का मतलब न्यूक्लिक एसिड बेस या अमीनो एसिड कण में बदलाव से है और इसमें परिवर्तन को स्वरूप बदलना कहते हैं। रे ने कहा, 'बदलाव वाले सभी वायरस हमेशा कायम नहीं रह पाते। उनमें से कुछ खत्म हो जाते हैं।'

सार्स कोव-दो में परिवर्तन कोई नई बात नहीं : उन्होंने कहा कि सार्स कोव-दो में परिवर्तन कोई नई बात नहीं है। आबादी के बीच वायरस जितने लंबे समय तक रहता है और जितना इसका प्रसार होता है, इसमें उतना ही बदलाव होता है और स्वरूप भी परिवर्तित होता है।

भारत में घातक स्वरूप के मामले कम- सीएसआइआर-सीसीएमबी : सीएसआइआर-सीसीएमबी के विश्लेषण में पाया गया कि कई देशों में खौफ पैदा करने वाले नए स्वरूप के मामले भारत में बहुत कम आए हैं और इसमें ई484 के और एन501वाई स्वरूप भी हैं। नए स्वरूप की कम मौजूदगी का एक कारण यह भी हो सकता है कि पर्याप्त सीक्रेंसिंग नहीं हुई है। वायरस के नए स्वरूप का सटीकता से पता लगाने के लिए देश में कोरोना वायरस के जीनोम अनुक्रमण का और ज्यादा काम करने की जरूरत है।

विज्ञानी ने कहा- जीआइएसएआइडी में कोरोना वायरस के अनुक्रमण का डाटा मुहैया कराया जाता : विषाणु विज्ञानी शाहिद जमील ने कहा कि 'जीआइएसएआइडी' डाटाबेस में भारत से सार्स कोव-दो के 5,261 अनुक्रमण को दर्ज कराया गया है। 'जीआइएसएआइडी' विज्ञान क्षेत्र की एक पहल है जिसमें कोरोना महामारी के लिए जिम्मेदार कोरोना वायरस के अनुक्रमण का डाटा मुहैया कराया जाता है।

बदलाव पर पर्याप्त जानकारी नहीं : अशोक विश्वविद्यालय में त्रिवेदी स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज के निदेशक जमील ने कहा,

'1.1 करोड़ मामलों की पुष्टि के साथ अनुक्रमण दर 0.05 प्रतिशत है।' इसे देखते हुए कहा जा सकता है बदलाव पर पर्याप्त जानकारी उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा, 'इसकी गैर-मौजूदगी में मैं कहूंगा कि कोरोना के संबंध में उचित तौर तरीका पालन नहीं करने के कारण मामले बढ़ रहे हैं।'

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)